RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः341, सोमवार, 26 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बस कपड़े का टुकड़ा नहीं है तिरंगा 03

UGC के नए एक्ट पर बढ़ता विवाद, सड़कों तक उतरने की तैयारी में संगठन 04

दो दीवाने सहर में का नया पोस्टर जारी मृणाल ठाकुर- सिद्धांत चतुर्वेदी... 07

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में भारत की परिवार व्यवस्था और परंपरा के महत्व को रेखांकित किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भारत की परिवार व्यवस्था और परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में इसे कोतुहल के साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज की ताकत मिलने से हम बड़ी-बड़ी चुनौतियों को परास्त कर सकते हैं। 'मन की बात' के 130वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने परिवार व्यवस्था को बढ़ाने को लेकर यूएई में हो रहे प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने हाल ही में अपनी भारत यात्रा में उन्हें बताया कि वे अगला वर्ष परिवार के वर्ष के तौर पर मना रहे हैं। इसका मकसद है कि वहां के लोगों के बीच सौहार्द और सामूहिक भावना मजबूत हो । उन्होंने इस संदर्भ में गुजरात के चंदनकी गांव की सामुदायिक रसोई परंपरा का उल्लेख किया और इसे पारिवारिक और सामाजिक एकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, "गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है। .. यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते तो आपको हैरत होगी। इसकी वजह गाँव का शानदार सामुदायिक रसोई। इसमें एक साथ पूरे गांव का सबका खाना बनता है और लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। बीते 15 वर्षों से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है। इतना ही नहीं, यदि कोई व्यक्ति बीमार है तो उसके लिए टिफिन सेवा भी उपलब्ध है, यानि होम डिलिवरी का भी पूरा इंतजाम है। साथ ही सामुदिक भावना से किए गए सराहनीय प्रयास का उदाहरण देते हुए उन्होंने अनंतनाग में चले नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता अभियान को अपने कार्यक्रम में शामिल किया। उन्होंने बताया कि अनंतनाग के शेखगुन्ड गाँव में ड्रग्स, तंबाकू, सिगरेट और शराब से जुड़ी चुनौतियाँ काफी बढ़ गई थी। इन सबको देखकर यहां के स्थानीय मीर जाफ़र इतना परेशान हुए कि उन्होंने इस समस्या को दूर करने की ठान ली। उन्होंने गाँव के युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी को एकजुट किया। उनकी इस पहल का असर कुछ ऐसा रहा कि वहाँ की दुकानों ने तंबाकू उत्पादों को बेचना ही बंद कर दिया। इस प्रयास से ड्रग्स के खतरों को लेकर भी लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

सर्दियों में श्रीअन्न का जरूर करें सेवन : प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में श्रीअन्न के प्रति बढ़ते जन-लगाव पर प्रसन्नता व्यक्त की और लोगों से सर्दियों में इसका सेवन जरूर करने की सलाह दी। तमिलनाडु और राजस्थान में महिला किसानों और एफपीसी द्वारा किए जा रहे नवाचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे स्वास्थ्य व आय दोनों के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा, "श्रीअन्न अन्नदाताओं की कमाई बढ़ाने के साथ ही लोगों की स्वास्थ्य में भी सुधार की गारंटी बनता जा रहा है।

बसंत पंचमी से शुरु हुई ब्रज की होली, 40 दिन होगा रंगों का उत्सव

नई दिल्ली। ब्रज की होली शुरुआत बसंत पंचमी से हो चुकी है, जो श्रीकृष्ण की भूमि पर मनाए जाने वाले 40 दिवसीय रंगोत्सव का प्रतीक है। वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और मथुरा में मनाया जाने वाला यह होली उत्सव अपनी भक्तिमय रीति-रिवाज, जीवंत परंपराओं और गहरी सांस्कृतियों को जोड़ने वाला माना जाता है। राधा-कृष्ण की अद्भुत लीलाओं से जुड़ा ब्रज क्षेत्र 40 दिनों तक रंगों और भक्ति में डूबा रहता है। मंदिर के आंगन से लेकर पतली गलियों तक हर कोने में होली की भावना पारंपरिक रूप से देखने को मिलती है। जानकारी के मुताबिक ब्रज में होली नई शुरुआत, भक्ति और खुशी का प्रतीक माना जाता है। खास रस्मों में मंदिर के अंदर होली का डंडा लगाना, जो उत्सव के रस्मों की शुरुआत का संकेत है। रंगोत्सव के दौरान, भक्त राधा-कृष्ण को ताजे फूल से बने रंग और गुलाल चढ़ाए जाते हैं। ब्रज के मंदिरों में फूलों की होली, लट्ठमार होली और लड्डू मार होली जैसे अनोखे उत्सव होते हैं, जो आज से नहीं, बल्कि पुरानी परंपरा है।

जो हिंदू राष्ट्र को हरा करने का सपना देखेगा उसे दफन कर देंगे

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। मंत्री नितेश राणे ने एआईएमआईएम के महाराष्ट्र अध्यक्ष इम्तियाज जलील पर हमला बोला। यह हमला ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन पार्षद सहर शेख के बयान और उस पर इम्तियाज जलील के समर्थन के बाद सामने आया है। मंत्री राणे ने कहा है कि इम्तियाज जलील शायद अपना इतिहास भूल गया है।

संक्षिप्त समाचार

रणजी ट्रॉफी 2026-27, बिहार जीतेगा प्लेट ग्रुप का खिताब!, मणिपुर अभी 342 रन से पीछे

पटना। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के प्लेट ग्रुप फाइनल मुकाबले का आज आखिरी दिन है। आज बिहार टीम खिताब अपने नाम कर सकती है, क्योंकि मणिपुर अभी बिहार से 342 रन पीछे है। बिहार ने अपनी पहली पारी में 135.5 ओवर में 522 रन बनाया। वहीं, मणिपुर अपनी पहली पारी में 264 रन पर ऑल आउट हो गयी। बिहार ने दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 84 रन बना लिए हैं। आज बिहार अपना खेल जारी रखेगी। आज के मैच जीतने के बाद बिहार एलीट ग्रुप में पहुंच जाएगा। मणिपुर टीम की ओर से रोनाल्ड एम ने 79 रन बनाए, जबकि जॉटिन 25, उल्लेनाई 26 और जॉनसन 34 रन बनाया। बिहार की गेंदबाजी ने लगातार दबाव बनाए रखा। सूरज कश्यप ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 16.1 ओवर 5 मेडन 34 रन 3 विकेट झटके। वहीं, हिमांशु सिंह ने दो सफलताएं अर्जित की। प्रशांत कुमार सिंह ने भी कसी हुई लाइन और लेंथ के साथ दो विकेट हासिल किए। खालिद और आकाश राज ने 1-1 विकेट चटकाए। दूसरी

पारी में बिहार की शुरुआत संतुलित रही। मंगल महरौर ने 31 रन और आयुष लोहारूका 1 रन बनाया, जबकि पीयूष कुमार सिंह 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों के बीच हुई साझेदारी ने टीम को स्थिरता प्रदान की। आकाश राज अभी 12 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पहली पारी में बिहार के कप्तान सक्लिल गनी ने 108 और बिपिन सौरभ ने 143 रन की प्रभावी पारी खेल कर टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचा दिया है। बिहार टीम को पहली पारी के शुरुआती ओवरों में कुछ विकेट गंवाने पड़े। हिमांशु सिंह और पियूष कुमार सिंह जल्दी पवेलियन लौट गए, जबकि मंगलमय महरौर ने 43 रन और आकाश राज ने 101 गेंदों पर 50 रन बनाकर पारी को संभाला। मणिपुर की ओर से गेंदबाजी में रेक्स और जोतिन फेइरोइजाम ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी अनुशासित लाइन और लेंथ के साथ प्रयास किया।

बेतिया, बगहा समेत 5 जिलों में घना कोहरा

पटना। बिहार के कई जिलों में मौसम सामान्य बना हुआ है। हालांकि, मौसम विभाग ने प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के चलते 11 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, पटना और दक्षिण बिहार के कुछ इलाकों में बादल छाए रह सकते हैं। इधर, रविवार को बिहार के 5 जिलों में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। बेतिया, बगहा, गोपालगंज समेत 5 जिलों में विजिबिलिटी 100 मीटर के आसपास थी। पछुआ हवा के चलते प्रदेश में हल्की ठंड की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों तक ठंड में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी। हालांकि, रात के तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। 24 घंटे में सबसे ठंडा भागलपुर रहा। यहां का तापमान 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल उत्तर भारत में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। इस कारण बिहार में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं हो रहा है। उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाएं कमजोर पड़ गई हैं, जिससे

ठंड का प्रभाव सीमित बना हुआ है। इसी कारण दिन में तापमान बढ़ रहा है, जबकि रात और सुबह के समय हल्की ठंड बनी हुई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक राज्य के मौसम में इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार वातावरण में नमी कम है, जिस वजह से कोहरे का असर भी सीमित क्षेत्रों तक ही रह रहा है। राजधानी पटना में मौसम सामान्य बना रहेगा। दिन में हल्की धूप खिली रहेगी, जिससे तापमान में बढ़ोतरी होगी। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का असर महसूस किया जा सकता है। कोहरे का असर हल्का और सीमित रहेगा। पटना में न्यूनतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

मुजफ्फरपुर में 5 साल की बच्ची से रेप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में 5 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (SKMCH) में एडमिट कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मां ने बताया कि घर से थोड़ी दूर पर पुराना ईंट भट्ठा है। जहां गांव के बच्चे खेलते हैं। पड़ोसी सुजीत कुमार उर्फ शुकुल (22) मेरी बच्ची को बहला-फुसलाकर भट्ठा के पास ले गया। उसने वहां गलत काम किया। लड़की के बेहोश होने पर उसे वहीं छोड़कर मेरे घर पर पहुंचा। कहा कि आपकी बेटी गड्ढे में गिर गई है। उसे चोट लगी। दौड़ते हुए परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ बेहोशी हालत में वहां पड़ी थी। इसके बाद युवक को पकड़ लिया। इस बीच किसी ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस की टीम के मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुसहरी लेकर गए। जहां से डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। आरोपी को भगवान भी माफ नहीं करेंगे। SKMCH की डॉक्टर सरिता ने बताया कि बच्ची की हालत गंभीर है। काफी ज्यादा ब्लीडिंग हुआ है। स्टेबल कर रहा है, थोड़ा समय लगेगा। अभी पर कोशिश है कि जल्द बच्ची ठीक हो जाए। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाने के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) की टीम को भी बुलाया। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किए हैं। पुलिस फिलहाल प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है। डीएसपी पूर्वी-2, मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुसहरी पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। पीड़ित परिवार को न्याय का आश्वासन देते हुए कहा कि स्पीडी ट्रायल के माध्यम से दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

मुजफ्फरपुर पहुंचे मोहन भागवत, आज करेंगे झंडोत्तोलन, गोष्ठी में भी होंगे शामिल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 2 दिवसीय प्रवास पर मुजफ्फरपुर पहुंच चुके हैं। उनके आगमन को लेकर संघ कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी उत्साह है। दौरे के दौरान वे सामाजिक समरसता का संदेश देंगे और गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर संघ के प्रांत कार्यालय में तिरंगा फहराएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, मोहन भागवत मुजफ्फरपुर-दरभंगा फोरलेन स्थित गरहां के एक रिसॉर्ट में आयोजित एक विशेष 'सामाजिक सद्भाव गोष्ठी' में शामिल हो रहे हैं। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करना और राष्ट्र निर्माण में सबकी सहभागिता बनाना है। संघ प्रमुख इस दौरान 'समाज परिवर्तन में सज्जन शक्ति की भूमिका' विषय पर अपना उद्बोधन देंगे। कल यानी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर मोहन भागवत मुजफ्फरपुर के कलमबाग चौक स्थित उत्तर बिहार प्रांत कार्यालय 'मधुकर निकेतन' में सुबह 9:00 बजे झंडोत्तोलन करेंगे। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा, क्योंकि जानकारी के अनुसार, यह पहला अवसर है जब संघ के कोई सरसंघचालक गणतंत्र दिवस के दिन मुजफ्फरपुर स्थित कार्यालय परिसर में तिरंगा फहराएंगे। ध्वजारोहण के बाद वे संघ के प्रखंड स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस सांगठनिक बैठक में संघ के विस्तार, आगामी योजनाओं और वर्तमान सामाजिक चुनौतियों पर चर्चा होने की संभावना है। मोहन भागवत के 'जेड प्लस' (Z+) सुरक्षा श्रेणी में होने के कारण जिला प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद है। कलमबाग चौक से लेकर गरहां तक सुरक्षा के कड़े घेरे बनाए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है और बिना पहचान पत्र के किसी भी बाहरी व्यक्ति का कार्यक्रम स्थल के आसपास प्रवेश वर्जित है।

तेजस्वी यादव राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

रोहिणी बोलीं- जिम्मेदारी संभालने वाले अपने गिरेबान में झांकें, मुंह छिपाने की बजाय जवाब दें

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को RJD का राष्ट्रीय कार्यकारी (कार्यवाहक) अध्यक्ष बनाया गया है। पटना के होटल मौर्य में RJD की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भोला यादव ने प्रस्ताव रखा, जिसपर सभी नेताओं ने सहमति जताई। बैठक में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, संजय यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी चर्चा हुई, जिसपर तेजस्वी ने कहा कि हमें सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि या तो नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िए। चाचा जी तो चरण में चले गए हैं,

वीडियो सबने देखा होगा, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, 'तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से कम करेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है। आगे सबको लड़ना है और जीतना है। इधर, तेजस्वी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर रोहिणी ने तंज भरे लहजे में शुभकामनाएं दीं है। उन्होंने X पर लिखा, 'गिरोह-ए-घुसपैठ की कठपुतली बने शहजादे को ताजपोशी मुबारक...।'

पहले से अहम फैसले ले रहे हैं तेजस्वी: तेजस्वी यादव पहले से ही पार्टी के अधिकतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। संगठनात्मक मामलों से लेकर राजनीतिक रणनीति तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। पार्टी के भीतर भी उन्हें भविष्य के नेता के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर कार्रवाई को लेकर भी बैठक में गंभीर चर्चा हो सकती है। कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे पर ठोस और सख्त निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

200 गुम मोबाइल बरामद, 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 50 लाख की रिकवरी

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत 25 जनवरी 2026 को 200 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। वैशाली के पुलिस अधीक्षक ने स्वयं अपने हाथों से इन मोबाइलों को उनके मालिकों को सौंपा। 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्देश पर लगातार चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य गुम हुए या चोरी हुए मोबाइलों को बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाना है।

1163 मोबाइल फोन बरामद किए: इस अभियान के तहत, जिला आसूचना इकाई और प्रत्येक थाने में तकनीकी टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें CEIR पोर्टल का उपयोग कर मोबाइल फोन बरामद करने का कार्य करती हैं।

इस नवीनतम बरामदगी के साथ, वैशाली पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत अब तक कुल 1163 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन सभी मोबाइलों को उनके

❐ एसपी ने मालिकों को सौंपे फोन

वास्तविक धारकों को सफलतापूर्वक लौटाया जा चुका है। सर्वाधिक मोबाइल फोन बरामद करने वाले थानों और उनकी तकनीकी टीमों को वैशाली पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरस्कृत किया जा रहा है। इनमें महुआ थाना (35 मोबाइल, पु०अ०नि० विवेक कुमार), बिदुपुर थाना (33 मोबाइल, पु०अ०नि० रचना तिवारी), तिसिऔता थाना (17 मोबाइल, पु०अ०नि० मनोज कुमार), भगवानपुर थाना (15 मोबाइल, पु०अ०नि० अवधेश कुमार) और राजापाकर थाना (14 मोबाइल, पु०अ०नि० संदीप कुमार) शामिल हैं।

वैशाली पुलिस ने 24 घंटे में 20 आरोपी किए गिरफ्तार

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली जिला पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों से 20 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इन गिरफ्तारियों में मुख्य रूप से विदेशी शराब तस्करी के मामले शामिल हैं, साथ ही गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी भी पकड़े गए हैं। पुलिस के अनुसार, जिले के वैशाली, पातेपुर, तिसिऔता, सराय, हरलोचनपुर, गरौल, सदर, जुडावनपुर, करतॉहा, बेलसर, महिसौर, गंगाब्रिज, बलिगॉव और महुआ सहित विभिन्न थानों में यह अभियान चलाया गया। अधिकतर मामले बिहार निषेध अधिनियम की धारा 37(सी) के तहत विदेशी शराब के अवैध कब्जे, उत्पादन या तस्करी से संबंधित हैं।

02 बाइक और 07 मोबाइल फोन जब्त किए: गरौल थाना क्षेत्र

♦ विदेशी शराब, नशीले पदार्थ और बाइक बरामद

में एक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 07 लीटर विदेशी शराब और एक बाइक बरामद की। वैशाली थाना में बीएनएसएस एक्ट के तहत एक मामले में 02 बाइक और 07 मोबाइल फोन जब्त किए गए। करतॉहा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत नशीले पदार्थों (5.90 ग्राम कोटा) की तस्करी के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 03 मोबाइल और एक बाइक भी बरामद हुई।

बिहार पुलिस के डीजी कुंदन सहित 3 को गैलेंट्री अवार्ड केंद्रीय गृह मंत्रालय से 22 पुलिसकर्मियों को सम्मान

एजेंसी, पटना

गणतंत्र दिवस 2026 के मौके पर बिहार पुलिस के अधिकारियों और जवानों को तीनों श्रेणियों में दिए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से इसकी आधिकारिक घोषणा गणतंत्र दिवस के ठीक एक दिन पहले कर दी गई है। बिहार पुलिस के अफसरों और जवानों को मिलाकर कुल 22 लोगों के नामों की घोषणा की गई है। गैलेंट्री मेडल के लिए सीनियर IPS कुंदन कृष्णन समेत 3 अधिकारियों, प्रेसिडेंट मेडल के लिए 2 और मेरिटोरियस सर्विस के लिए 17 लोगों के नामों की घोषणा की गई है।

3 गैलेंट्री मेडल, 2 प्रेसिडेंट मेडल की घोषणा: केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बिहार पुलिस के डीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन को गैलेंट्री मेडल से सम्मानित करने की घोषणा की है। उनके साथ सब-इंस्पेक्टर अर्जुन लाल और कॉन्स्टेबल जितेंद्र सिंह को भी यह सम्मान मिलेगा। यह सम्मान उन्हें उनकी उत्कृष्ट सेवा और बहादुरी के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा पुलिस सेवा के लिए

प्रेसिडेंट मेडल (राष्ट्रपति पदक) के लिए बिहार पुलिस के डीएसपी उमेश लाल रजक और सब-इंस्पेक्टर नवरत्न कुमार के नामों की घोषणा की गई है।

17 पुलिसकर्मियों को विशिष्ट सेवा पदक: केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मेरिटोरियस सर्विस मेडल (विशिष्ट सेवा पदक) के लिए बिहार पुलिस के कुल 17 अधिकारियों और जवानों का चयन किया गया है। इनमें IG

❐ 2 प्रेसिडेंट मेडल, 17 विशिष्ट सेवा पदक मिलेंगे

दलजीत सिंह, AIG राजीव रंजन-2, कमांडेंट अजय कुमार पांडेय, डीएसपी शैलेश मिश्रा, हेड कॉन्स्टेबल संजय कुमार सिंह, सब-इंस्पेक्टर मो. एनुल हक, एएसआई नागेंद्र पांडेय, हेड कॉन्स्टेबल सुकरा उड़ाव, हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र कुमार, कॉन्स्टेबल मनोज कुमार सिंह, सब-इंस्पेक्टर ऋषिकेश कुमार, सब-इंस्पेक्टर मनोज कुमार, हेड कॉन्स्टेबल जवाहर लाल मंडल, हेड कॉन्स्टेबल उमेश कुमार सिंह, हेड कॉन्स्टेबल ओम प्रकाश, हेड कॉन्स्टेबल मो. रफी और सब-इंस्पेक्टर निक्कू कुमार सिंह शामिल हैं।

पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल: इन सम्मानों की घोषणा के बाद पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल है। गणतंत्र दिवस के मौके पर चयनित अधिकारियों और जवानों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है।

नेशनल वोटर्स डे पर निकाली जागरूकता पदयात्रा, युवाओं ने लिया मतदान का संकल्प

एजेंसी, हाजीपुर

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, चकसिकंदर के छात्र-छात्राओं ने शनिवार को एक पदयात्रा निकाली। इस पदयात्रा के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। यह आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'मेरा युवा भारत' अभियान का हिस्सा था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'माय भारत, माय वोट' संदेश के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस पहल के तहत युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों का राजदूत बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक और महाविद्यालय के युवा कार्यक्रम अधिकारी प्रो. निशांत नीलय ने बताया कि इस आयोजन में 'माय भारत' के स्वयंसेवकों और पहली

बार मतदान करने वाले युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्य गतिविधियों में परिसर से पदयात्रा, पहली बार के मतदाताओं का सम्मान, मतदाता जागरूकता पर संवाद, शपथ ग्रहण और जनसंपर्क गतिविधियाँ शामिल थीं।

प्रो. नीलय ने इस अवसर पर कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की सहभागिता राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने जोर दिया कि युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाना लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है। उन्होंने आगे बताया कि इस पहल का लक्ष्य युवाओं को मतदान के प्रति संवेदनशील बनाना, मतदाता पंजीकरण और सूची सुधार के लिए प्रोत्साहित करना तथा जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को पुष्ट करना है। पदयात्रा का नेतृत्व बीटेक के विद्यार्थी प्रकाश कुमार और अमृतांशु बच्चन ने किया। इस दौरान युवाओं ने सामूहिक नागरिक सहभागिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता के संदेश का व्यापक प्रसार किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता जागरूकता को शारीरिक फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ते हुए इसे एक जन-आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया गया।

शकील अहमद बोले, राहुल गांधी डरपोक पॉलीटिशियन हैं

कहा- वे मजबूत कांग्रेसियों से खतरा महसूस करते हैं, उन्हें सिर्फ बॉस वाली फीलिंग चाहिए

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे चुके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री डॉ. शकील अहमद ने राहुल गांधी को लेकर एक बड़ी बात कही है। उन्होंने राहुल गांधी को एक डरपोक पॉलिटिशियन बताया है और कहा कि वह मजबूत कांग्रेसियों से डरते हैं। उन्हें बॉस वाली फीलिंग चाहिए। राहुल गांधी मानते हैं कि कांग्रेस पार्टी केवल उनके परिवार की है। डॉ. शकील अहमद के इस बयान से सियासत में सरगर्मी है।

सोनिया गांधी की कांग्रेस को राहुल गांधी अपना नहीं बना पाए: डॉ. शकील अहमद ने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए शशि थरूर को वोट देना चाहता था, लेकिन जब मैंने देखा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के वफादार खरगे जी के लिए वोट मांगें जा रहे हैं, तो मैंने अपनी इच्छा के विरुद्ध

खरगे साहब को वोट दिया, क्योंकि मैं अपना वोट बर्बाद नहीं करना चाहता था। मैं सोनिया गांधी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी के कांग्रेस का समावेश अपने कांग्रेस में कर लिया। मगर बदकिस्मती से राहुल गांधी सोनिया गांधी की कांग्रेस को भी अपना कांग्रेस नहीं बना पाए।

राहुल गांधी लोकप्रिय नेता को खतरा मानते हैं: सोनिया गांधी प्रेसिडेंट रहते हुए देश भर के कांग्रेस नेताओं से मिलतीं थीं। उनसे राय मशवरा करके उनका विचार जानतीं थीं। मगर राहुल गांधी सिर्फ फिल्टर्ड लोगों से मिलते हैं। पिछले 5 वर्षों में मैंने राहुल गांधी से मिलने का समय नहीं निकाला क्योंकि मैं उनसे निराश था।

राहुल गांधी मानते हैं कि कांग्रेस पार्टी केवल उनके परिवार की है। राहुल गांधी लोकप्रिय नेताओं से कभी नहीं मिलते क्योंकि उन्हें उनसे खतरा महसूस होता है। दूसरी पार्टी से आए लोग कांग्रेस के महत्वपूर्ण पद पर हैं, क्योंकि उनकी पार्टी में पकड़ नहीं है और राहुल गांधी कभी भी उनको उखाड़ कर फेंक सकते हैं।

कांग्रेस में कोई इंटरनल डेमोक्रेसी नहीं: उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस में कोई इंटरनल डेमोक्रेसी नहीं है, जो राहुल गांधी ने कह दिया वही कानून है। राहुल गांधी ने यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई को साथ रखा है, ताकि पुराने लोगों को रिप्लेस करके यहां से नेता ला सके। राहुल गांधी से कैंडीडेट्स डरे रहते हैं। उन्हें यह डर सताता है कि राहुल गांधी क्या बोल देंगे कि उसे संभालते संभालते पूरा इलेक्शन निकल जाए।

बिना अनुमति बाली घूमने गईं सहायक निदेशक

एजेंसी, पटना

बिहार राज्य योजना पर्षद की सहायक निदेशक शालिनी कुमारी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार से अनुमति लिए बिना ही वह पति के साथ एक सप्ताह विदेश घूमने इंडोनेशिया के बाली चली गईं। जब वह लौटी तो उन्हें विभाग ने कारण बताओ नोटिस थमाया है। योजना एवं विकास विभाग ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर 7 दिनों के अंदर जवाब देने के लिए कहा है। ऐसा नहीं करने पर विभाग ने उनका पक्ष जाने बिना कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे अब उनकी नौकरी पर संकट मंडरा रहा है। शालिनी कुमारी 67वीं बैच की अफसर हैं और 2024 में योजना विकास पदाधिकारी के तौर पर नौकरी ज्वाइन की है।

पूरा मामला क्या है?: योजना एवं विकास विभाग की ओर से दी गई नोटिस में कहा गया है कि शालिनी

कुमारी ने 17 दिसंबर से 24 दिसंबर 2025 तक विदेश यात्रा (बाली, इंडोनेशिया) के लिए 11 अक्टूबर 2025 को टिकट बुकिंग की थी। इसके दो महीने के बाद 12 दिसंबर 2025 को यानी विदेश प्रस्थान के दो कार्य दिवस पहले विभागीय अनुमति के लिए आवेदन आपके द्वारा बिहार राज्य योजना पर्षद, पटना को दिया गया। विदेश से वापस आने के बाद 26 दिसंबर 2025 के दोपहर आपके द्वारा अपने पदस्थापित कार्यालय में ज्वाइन किया गया है। योजना एवं विकास विभाग ने शालिनी कुमारी के इस कदम को गंभीर अनुशासनहीनता माना है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26: पटना नगर निगम डेस्कटॉप असेसमेंट में फाइव स्टार रेटिंग के लिए क्वालीफाई

एजेंसी, पटना

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिए पटना नगर निगम पूरी तैयारियों में लगा हुआ है। मार्च में सर्वे के लिए केंद्रीय टीम पटना आएगी। यह सर्वे देश के प्रमुख शहरों की स्वच्छता रैंकिंग तय करेगी। इस क्रम में पटना नगर निगम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पटना नगर निगम ने डेस्कटॉप असेसमेंट में फाइव स्टार रेटिंग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब अगला चरण फील्ड असेसमेंट का होगा। डेस्कटॉप असेसमेंट नगर निगम के स्वयं किए गए कार्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर होता है। इसके बाद फील्ड में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट जल प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं की वास्तविक स्थिति के आधार पर रैंकिंग दी जाती है।

रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष विशेष नजर: फील्ड असेसमेंट के दौरान रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष अंक कटते हैं। इसे देखते हुए पटना नगर निगम ने सख्ती बढ़ाई है। खुले में शौच करने, गंदगी फैलाने और पान-तंबाकू थूकने वालों पर 500 रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। ऐसे लोगों को 'नगर

शत्रु' की श्रेणी में रखा गया है। आईसीसीसी और निगम की टीमें प्रमुख स्थानों पर लगातार निगरानी कर रही हैं।

गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डिब्बों में डालने का निर्देश: नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन घर-घर कचरा उठाव का निर्देश दिया गया है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डिब्बों में एकत्र किया जा रहा है। पिछले सर्वेक्षण में इसी पॉइंट पर अंक कटे थे, जिसे ध्यान में रखते हुए इस बार विशेष तैयारी की गई है। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए हर वार्ड में नगर मित्र के चयन की

♦ अब अगला टारगेट फील्ड असेसमेंट

प्रक्रिया चल रही है।

दीवारों पर पेंटिंग, डिवाइडर का रंग-रोगन कराया जा रहा: दीवारों पर पेंटिंग, सड़कों की सफाई, डिवाइडर का रंग-रोगन और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। सभी अंचलों में व्यापक सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। नालों और बैकलेन की सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही कचरा पॉइंट को खत्म किया जा रहा है और अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उसे घूमने योग्य स्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पटना को पिछले साल मिला था 21वां स्थान: इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल–बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई है। कुल 12,500 अंकों के आधार पर रैंकिंग तय होगी। साल 2024-25 में पटना को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में 21वां स्थान मिला था, वहीं गार्बेज फ्री सिटी में तीन स्टार की रेटिंग प्राप्त हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

राजद में बड़ी कार्रवाई की तैयारी अनुशासनहीन नेताओं पर गिरेगी गाज

बीएनएम @ पटना। राष्ट्रीय जनता दल में अनुशासनहीनता को लेकर जल्द ही कड़ा निर्णय लिया जा सकता है। पार्टी लाइन से हटकर काम करने वाले और चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों का विरोध करने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं की पहचान कर ली गई है। बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह के अनुसार, इस संबंध में एक विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को सौंप दी गई है, जिस पर आगामी एक-दो दिनों में अंतिम मुहर लग सकती है। सुधाकर सिंह ने स्पष्ट किया कि संगठन विरोधी गतिविधियों और निर्दलीय चुनाव लड़ने जैसे कदमों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि इनसे पार्टी की रणनीतियों को गहरा नुकसान पहुंचा है।इसी संदर्भ में उन्होंने तेजस्वी यादव के उस बयान का भी पुरजोर समर्थन किया, जिसमें बिहार चुनाव के परिणामों को "लोक की हार और तंत्र की जीत" बताया गया था। सांसद ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लाखों नाम जानबूझकर काटे गए और चुनाव के दौरान सरकार द्वारा मतदाताओं के खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए गए, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हुई। इसके अतिरिक्त, कांग्रेस नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी के इस्तीफे पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताया और कहा कि किसी भी नेता को नए दल के सिस्टम में ढलने में समय लगता है। कुल मिलाकर, राजद अब न केवल अपने आंतरिक संगठन को मजबूत करने में जुटी है, बल्कि चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर भी आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है।

गन्ना लदे ट्रक के केबिन में लगी आग

बीएनएम @ श्रीनगर (पश्चिम चंपारण): श्रीनगर थाना क्षेत्र के जगदम्बपुर मार्ग पर रविवार रात करीब 2 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। पंचायत भगनीपुर के पास गन्ना लोड करने आए एक ट्रक (BR06A-0494) के केबिन में अचानक भीषण आग लग गई। माना जा रहा है कि केबिन की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से यह हादसा हुआ।आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम एम-1 वाहन के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। इस घटना में ट्रक का केबिन और इंजन का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया है, साथ ही केबिन में रखा सारा सामान राख हो गया। गनीमत यह रही कि समय रहते कार्रवाई होने से कोई जनहानि नहीं हुई।

महानवा चैंपियन ट्रॉफी सीजन-1 का शुभारंभ, विराट इलेवन ने जीता उद्घाटन मुकाबला

बीएनएम @ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के महानवा बाजार स्थित भागीरथ स्टेडियम में टी-20 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट महानवा चैंपियन ट्रॉफी सीजन-1 का भव्य शुभारंभ किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुखिया पति बालेश्वर कुशवाहा, एएसआई कन्हैलाल एवं संतोष पटेल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन मुकाबला विराट इलेवन मोतिहारी और सोनू इलेवन गोविंदगंज के बीच खेला गया। टॉस जीतकर विराट इलेवन के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोनू इलेवन गोविंदगंज की टीम 17 ओवर में 142 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से सोनू ने सर्वाधिक 30 रन बनाए। विराट इलेवन के गेंदबाज आदर्श कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विराट इलेवन की टीम ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में चार विकेट खोकर मैच जीत लिया। टीम के सलामी बल्लेबाज शिब्बू ने 40 रन की तेज पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। शानदार गेंदबाजी के लिए आदर्श कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। आयोजन मुखिया आभा सिन्हा के माध्यम से कराया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य अरविंद कुमार ने बताया कि स्टेडियम में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है, जिसमें 16 टीमें भाग ले रही हैं और प्रतिदिन एक मैच खेला जाएगा।

UGC के नए एक्ट पर बढ़ता विवाद, सड़कों तक उतरने की तैयारी में संगठन

सागर सूरज

मोतिहारी। देशभर में UGC (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) के नए एक्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है।

शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के नाम पर लाए गए इस एक्ट को लेकर खासतौर पर सामान्य वर्ग और छात्र संगठनों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

सोशल मीडिया पर #UGC_RollBack ट्रेंड कर रहा है और कई संगठन इसे "काला कानून" करार देते हुए सरकार से तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

इसी कड़ी में रविवार को भू संवाद टीम की एक साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार, मजबूती और UGC एक्ट को वापस कराने की रणनीति पर गहन चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि "घर बैठे न्याय नहीं मिलेगा, अपनी हक की लड़ाई के लिए सभी को खड़ा होना होगा।" संगठन ने स्पष्ट किया कि केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि संगठित और संयुक्त आंदोलन से ही सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के सभी सवर्ण संगठनों से संपर्क स्थापित कर तय तिथि और समय पर संयुक्त आंदोलन किया जाएगा।

भू संवाद टीम का आरोप है कि UGC के नाम पर सामान्य वर्ग पर जबरन थोपा गया यह कानून शिक्षा में समानता के बजाय असमानता को बढ़ावा देगा। संगठन का कहना है कि यह एक्ट न केवल छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है, बल्कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर भी सीधा हमला है।

भू संवाद टीम के सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते इस एक्ट को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। बैठक में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार को किसी भी हाल में इस कानून को रोल बैक करना होगा, अन्यथा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध तेज किया जाएगा।

इस बैठक में विजय शर्मा, अविनाश कुमार, पिंकू सिंह, लड्डू सिंह, ललित मिश्रा, विकी गौतम, राहुल कुमार, अभिषेक कुमार, उज्वल कुमार, आदित्य सिंह, रंजन कुमार, हैप्पी सिंह, रितेश दुबे, सत्यम कुमार (आदापुर), रौशन कुमार (आदापुर) सहित बड़ी संख्या में संगठन के साथी मौजूद रहे।

कुल मिलाकर, UGC के नए एक्ट को लेकर उपजा यह विवाद अब केवल चर्चा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आने वाले दिनों में यह एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

गांजा बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार, 2 किलो गांजा जब्त

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सतपिपरा गांव में छापेमारी कर गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोतीलाल पटेल, पिता स्वर्गीय इंदर राउत, निवासी सतपिपरा, थाना रामगढ़वा, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में की गई है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान अभियुक्त के घर से लगभग 2 किलोग्राम गांजा जैसे मादक पदार्थ बरामद किए हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि सूचना मिली थी कि मोतीलाल पटेल गांजा की पुड़िया बनाकर गांव के युवाओं को बेच रहा है, जिससे क्षेत्र में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी हाल में ऐसे तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिले भर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें अत्यंत मजबूत हैं और इसका श्रेय जागरूक मतदाताओं को जाता है। उन्होंने मतदाताओं को देश का भाग्य विधाता बताते हुए कहा कि मतदान के अधिकार से ही लोकतंत्र जीवंत रहता है। अपर समाहर्ता ने बताया कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी और वर्ष 2011 से इस दिन को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदान के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना और लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था विश्व की सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली है, जहां सरकार चुनने का अधिकार सीधे नागरिकों के हाथ में होता है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर विशेष बल दिया। अब चार कट-ऑफ तिथियां 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं, जिससे नए मतदाताओं को सुविधा मिलेगी। यह प्रक्रिया ऑनलाइन भी उपलब्ध है। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा आम निर्वाचन में जिले की उपलब्धियों की चर्चा की गई और उत्कृष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित किए जाने पर जिले को गौरवान्वित बताया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एसएसबी द्वारा निकाली गयी भव्य साइकिल रैली

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी द्वारा रविवार को बल मुख्यालय के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य "संडे ऑन साइकिल" थीम के अनुसार वाहिनी के कमान्डेट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय तथा सभी समवाय तथा बाह्य सीमा चौकी द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस के गौरवशाली अवसर पर एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाना और 'स्वस्थ भारत, सशक्त भारत' का संदेश प्रसारित करना था। इस दौरान एसएसबी के जवानों और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वाहिनी मुख्यालय पर समाप्त हुई, जहाँ अधिकारियों ने फिट इंडिया मूवमेंट और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस आयोजन के माध्यम से सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सामंजस्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। यह रैली हमारे राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना और समाज में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक सकारात्मक कदम है। तिरंगा साइकिल रैली का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के भीतर देश भक्ति की गहरी भावना जगाना और हमारे राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में अधिक समझ विकसित करना है। इस कार्यक्रम के दौरान वाहिनी के अधिकारीगण अधीनस्थ अधिकारीगण एवं सभी बलकर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पूर्वी चंपारण को मिला राष्ट्रीय सम्मान, राष्ट्रपति के हाथों किया गया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पूर्वी चंपारण जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण सामने आया है। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्वी चंपारण जिले को देशभर में सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन जिला (बेस्ट इलेक्शन डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड) के लिए चयनित किया गया था। इसी क्रम में 25 जनवरी को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में माननीय राष्ट्रपति महोदया के हाथों पूर्वी चंपारण जिले को सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिले की ओर से जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण ने ग्रहण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों, मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों, मतदाताओं एवं आम जनता के सामूहिक और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिले में कई नवीन तकनीकी पहल की गईं। पूर्वी चंपारण में स्वचालित GPS आधारित CAPF तैनाती प्रणाली विकसित की गई, जिससे सुरक्षा बलों की तैनाती योजना तैयार करने में लगने वाला समय कई दिनों से घटकर कुछ ही मिनटों में सिमट गया और यह प्रक्रिया पूर्ण सटीकता के साथ संपन्न हुई। GPS विश्लेषण के माध्यम से सभी मतदान केंद्रों पर बल आवंटन को बेहतर तरीके से अनुकूलित किया गया। इसके साथ ही QR-कोड आधारित नेविगेशन, इंटरैक्टिव बूथ मैपिंग, पूर्व-मुद्रित रजिस्टर तथा रियल-टाइम डैशबोर्ड जैसे डिजिटल टूल्स का व्यापक उपयोग किया गया। इन नवाचारों का सकारात्मक प्रभाव यह रहा कि जिले में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह निर्बाध और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना दर्ज नहीं हुई और मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। वर्ष 2020 में जहां मतदान प्रतिशत 60.28 प्रतिशत था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 71.55 प्रतिशत तक पहुंच गया। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों और आधुनिक तकनीकी पहलों के चलते ही पूर्वी चंपारण को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन के सभी पदाधिकारियों, निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी कर्मियों एवं जिलेवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यह सम्मान पूरे पूर्वी चंपारण जिले के लिए गर्व का विषय है।

साजिशकर्ताओं पर चुप्पी मतलब मिलीभगत : रोहिणी आचार्य

तेजस्वी की ताजपोशी से पहले रोहिणी आचार्य का 'X' पर धमाका

बीएनएम @ पटना

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से ठीक पहले रोहिणी आचार्य के तीखे तेवरों ने पार्टी के भीतर मचे घमासान को सार्वजनिक कर दिया है। रोहिणी ने सोशल मीडिया के जरिए बिना नाम लिए पार्टी नेतृत्व और उनके इर्द-गिर्द सक्रिय लोगों पर 'लालूवाद' को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जिस पार्टी की नींव वंचितों और पिछड़ों के हक के लिए रखी गई थी, वह आज अपने मूल सिद्धांतों से भटक चुकी है। रोहिणी ने चेतावनी दी है कि यदि नेतृत्व इन साजिशकर्ताओं पर चुप्पी साधे रहता है, तो इसे उनकी मिलीभगत ही माना जाएगा।यह विवाद ऐसे समय में उभरा है जब पटना में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है। हालांकि पार्टी संविधान में पहले ही तेजस्वी को अहम फैसलों के लिए अधिकृत किया जा चुका है, लेकिन रोहिणी के बयानों ने इस ताजपोशी से पहले वैचारिक शुद्धता और आंतरिक लोकतंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यह केवल पारिवारिक मतभेद नहीं बल्कि पार्टी की भविष्य की दिशा और विचारधारा पर कब्जे की एक बड़ी लड़ाई है। अब देखना यह है कि लालू प्रसाद यादव अपनी बेटी की इस नाराजगी और पार्टी के भीतर उठते सवालों को कैसे शांत करते हैं।

जादू और नाटक के जरिए योजनाओं का प्रचार, मौके पर ही सुधर रहे आधार कार्ड

बीएनएम @ बेतिया

» विकसित भारत @ 2047 प्रदर्शनी दूसरे दिन सांसद ने दिलाई मतदान की शपथ

बेतिया के राज कचहरी मैदान में भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 'विकसित भारत @ 2047' चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन रविवार को भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम के 130वें अंक का बड़े एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल उपस्थित रहे। प्रसारण के पश्चात राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में सांसद ने उपस्थित जनसमूह को निष्पक्ष और अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई।कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री नारायण प्रसाद ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने पिछले 11 वर्षों की विकास गाथा को दर्शाने वाली इस पहल की सराहना करते हुए इसे आम जनता के लिए प्रेरणादायक बताया। जागरूकता अभियान को रोचक बनाने के लिए विभागीय कलाकारों द्वारा नाटक, लोक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जादूगर ए.के. सरकार के माध्यम से केंद्रीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, केंद्रीय योजनाओं पर आधारित एक क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जावेद अंसारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोक-कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। प्रदर्शनी स्थल पर डाक विभाग द्वारा आधार सुधार और डाक बीमा जैसी ऑनस्पॉट सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ग्यास अख्तर द्वारा किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, विभागीय कलाकार और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कर्पूरी ठाकुर बिहार के सच्चे सपूत: विजय सिन्हा

बीएनएम @ पटना

बिहार की राजनीति में जननायक कर्पूरी ठाकुर की विरासत को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच वैचारिक युद्ध छिड़ गया है। भारत रत्न से सम्मानित कर्पूरी ठाकुर के सिद्धांतों को लेकर शुरू हुई यह बहस सामाजिक न्याय और पिछड़े-दलित वर्गों की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गई है। विजय कुमार सिन्हा ने कर्पूरी ठाकुर को ईमानदारी और सादगी का प्रतीक बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उन्हें भारत रत्न देना उनके योगदान का सच्चा सम्मान है। साथ ही, उन्होंने राजद के अतीत पर प्रहार करते हुए सवाल उठाया कि विपक्ष ने जननायक के विचारों को किस नजरिए से देखा है।दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान सत्तासीन लोग जननायक के सपनों को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दों को उठाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों से समझौता कर रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। तेजस्वी के अनुसार, सत्ता में बैठे लोग वही हैं जिन्होंने कभी कर्पूरी ठाकुर के विचारों का विरोध किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह टकराव महज बयानबाजी नहीं, बल्कि आगामी चुनावों के लिए अपने-अपने पक्ष में नैरेटिव गढ़ने की कोशिश है। बिहार की सियासत में 'सामाजिक न्याय' की इस लड़ाई ने एक बार फिर जननायक को राजनीति के केंद्र में लाकर खड़ा कर दिया है।

सुगौली में लूटकांड का त्वरित खुलासा, 2 घंटे में अपराधी गिरफ्तार, लूटी गई ऑटो बरामद

बीएनएम @ सुगौली @ मृत्युंजय कुमार पाण्डेय

थाना क्षेत्र में हुई ऑटो लूट की घटना का पुलिस ने महज 2 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में लूटकांड में संलिप्त एक अपराधी को गिरफ्तार कर लूटी गई ऑटो और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 25 जनवरी 2026 को सुगौली थानान्तर्गत गुप्त सूचना मिली कि चार अज्ञात अपराधियों ने विशुनपुरा रोड बेलईठ के पास एक ऑटो चालक पर चाकू से हमला कर ऑटो लूट लिया है और बेत्तिया की ओर फरार हो रहे हैं। सूचना मिलते ही मामले की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 को दी गई, जिसके बाद सुगौली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बेत्तिया की ओर घेराबंदी कर लूटकांड में संलिप्त एक अभियुक्त सौरभ कुमार शुक्ला को लूटी गई ऑटो और एक पल्सर मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर ऑटो चालक पर चाकू से हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि अन्य तीन अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में सुगौली थाना कांड संख्या-38/26 दर्ज कर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त सौरभ कुमार शुक्ला का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध बेतिया मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-757/22 (हत्या) तथा योगापट्टी थाना कांड संख्या-232/24 (लूट) सहित गंभीर मामले दर्ज हैं। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, मोतिहारी श्री दिलीप कुमार के निर्देशन में किया गया। छापामारी दल में पुअनि अनीष कुमार सिंह (थानाध्यक्ष, सुगौली) एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर आमजन में भरोसा बढ़ा है।

इस बार की परेड क्यों है इतनी खास?

26 जनवरी का दिन हर भारतीय के लिए गर्व का दिन होता है। साल 2026 में हम अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं। इस बार का जश्न पिछले सालों से काफी अलग और खास होने वाला है। जी हां, अब कर्तव्य पथ पर न सिर्फ भारत की सैन्य ताकत दिखेगी, बल्कि वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का उत्सव भी मनाया जाएगा।

कौन हैं इस बार के मुख्य अतिथि?

इस साल भारत ने कूटनीति में एक नया इतिहास रचा है। दरअसल, गणतंत्र दिवस 2026 के लिए एक नहीं, बल्कि दो मुख्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। ये दोनों यूरोपीय संघ के शीर्ष नेता हैं – उर्सुला वॉन डेर लेयेन, जो कि यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष हैं।
एंटोनियो कोस्ट, जो यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष हैं।
यह पहली बार है जब यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को इस तरह संयुक्त रूप से आमंत्रित किया गया है, जो भारत और यूरोप के मजबूत होते रिश्तों को दर्शाता है।

क्या है साल 2026 की थीम?

इस बार गणतंत्र दिवस की थीम बेहद ऐतिहासिक है। सरकार ने इस वर्ष को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उत्सव के रूप में मनाने का फैसला किया है। पूरे कर्तव्य पथ पर आपको वंदे मातरम की झलक दिखेगी। झांकियों से लेकर टिकट्स के डिजाइन तक, हर जगह बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस गीत को सम्मान दिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस 2026 से जुड़ी बड़ी बातें

दो मुख्य अतिथि – इतिहास में यह बहुत दुर्लभ है जब दो बड़े वैश्विक नेता एक साथ परेड के मुख्य अतिथि बन रहे हैं। यह भारत-EU व्यापार समझौते (FTA) के लिए भी अहम है।
वंदे मातरम के 150 साल – परेड में 1923 की दुर्लभ पेंटिंग्स दिखाई जाएंगी जो वंदे मातरम के छंदों पर आधारित हैं।
झांकियां – इस बार कुल 30 झांकियां कर्तव्य पथ पर निकलेंगी। इनमें 17 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की और 13 मंत्रालयों की होंगी।
खास जानवरों की टुकड़ी – भारतीय सेना इस बार बैक्ट्रियन ऊंट (दो कूबड़ वाले ऊंट), जांस्कर पोनी (लद्दाख के घोड़े) और रैप्टर्स (शिकारी पक्षी) का प्रदर्शन करेगी।
नारी शक्ति और ड्रोन – परेड में ड्रोन शक्ति और आधुनिक हथियारों के साथ-साथ महिला सैनिकों की भी बड़ी भागीदारी होगी।
ऑपरेशन सिंदूर – परेड के दौरान ऑपरेशन सिंदूर को भी एक विशेष ट्रिब्यूट दिया जाएगा।

भारत की एकता और संप्रभुता का उत्सव

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान को अपनाने और देश गणतंत्र होने का प्रतीक है। हर साल, इस दिन होने वाले समारोहों में शानदार सैन्य और सांस्कृतिक प्रदर्शन होते हैं, जो इस दिन का महत्व और भी बढ़ा देते हैं। नई दिल्ली में, सशस्त्र बलों के जवान, सैन्य शक्ति का विस्तृत प्रदर्शन करते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च करते हैं। इस शुभ दिन पर कर्तव्य पथ पर होने वाले इन लाजवाब शो के सामने, देश भर में होने वाली हर चीज फीकी पड़ जाती है। ये समारोह, जिनका उद्घाटन एक भव्य परेड के साथ किया जाता है, राजधानी, नई दिल्ली में, राष्ट्रपति भवन (प्रेजिडेंट हाउस) के पास रायसीना हिल से, कर्तव्य पथ से होकर, इंडिया गेट से गुज़रते हुए ऐतिहासिक लाल किले तक जाते हैं। इस दिन, कर्तव्य पथ पर औपचारिक परेड निकाली जाती हैं जिसमें भारत, विविधता में इसकी एकता और भारत के राज्यों द्वारा इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मानित करने के लिए सुंदर झांकियां बनाकर पेश की जाती हैं।

गणतंत्र दिवस 2026 एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में भारत की यात्रा में एक और गौरवशाली अध्याय का प्रतीक है। प्रतिवर्ष 26 जनवरी को मनाया जाने वाला गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को अपनाने की याद दिलाता है, जो 1950 में लागू हुआ। यह दिन न केवल भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति का उत्सव है, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता के मूल्यों की याद भी दिलाता है। और भाईचारा जिसे राष्ट्र कायम रखता है।

गणतंत्र दिवस का ऐतिहासिक महत्व

गणतंत्र दिवस की यात्रा 26 जनवरी, 1950 से बहुत पहले शुरू हो गई थी। भारत ने 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन यह अभी भी ब्रिटिश काल से विरासत में मिले कानूनों द्वारा शासित था। नए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया, इस कार्य को पूरा करने में लगभग तीन साल लग गए। 26 जनवरी 1950 को, भारत के संविधान को अपनाया गया, जिससे भारत सरकार के लोकतांत्रिक स्वरूप वाला एक गणतंत्र बन गया। यह तारीख 1930 में पारित पूर्ण स्वराज प्रस्ताव का सम्मान करने के लिए चुनी गई थी, जिसमें भारत के लिए पूर्ण स्वशासन का आह्वान किया गया था।

भारत कैसे मनाता है गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह एक राष्ट्रीय अवकाश है, जो ध्वजारोहण समारोहों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया जाता है।

नई दिल्ली में भव्य परेड

नई दिल्ली में राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड समारोह का केंद्रबिंदु है। यह भव्य आयोजन भारत की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। परेड की शुरुआत भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने से होती है, जिसके बाद 21 तोपों की सलामी और राष्ट्रगान गाया जाता है।

सैन्य प्रदर्शन – सशस्त्र बलों के टैंक, मिसाइल और रेजिमेंट सही तालमेल में मार्च करते हैं।
सांस्कृतिक झाँकियाँ – भारत के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली झाँकियाँ उनकी अनूठी परंपराओं, त्योहारों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करती हैं।
बच्चों का प्रदर्शन – स्कूली बच्चे नृत्य और दिनचर्या प्रस्तुत करते हैं, जो कार्यक्रम में एक जीवंत स्पर्श जोड़ते हैं।
वीरता पुरस्कार – वीरता पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं जिन्होंने असाधारण साहस दिखाया हो।

पूरे देश में जश्न

जबकि नई दिल्ली में परेड सबसे प्रमुख है, भारत का हर राज्य और शहर अपने अनूठे तरीके से गणतंत्र दिवस मनाता है। स्कूल और कॉलेज ध्वजारोहण समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और संविधान के महत्व पर बहस का आयोजन करते हैं। कई इलाकों में, सामुदायिक समारोहों और देशभक्ति संगीत से वातावरण भर जाता है, जिससे एकता और गौरव की भावना पैदा होती है।

देश-विदेश में गूंजता उत्सव

गणतंत्र दिवस सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। पूरी दुनिया में बसे भारतीय समुदाय इस दिन को बहुत गर्व से मनाते हैं। विदेशों में भी झंडा फहराया जाता है और कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह दिन उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का भी दिन है, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

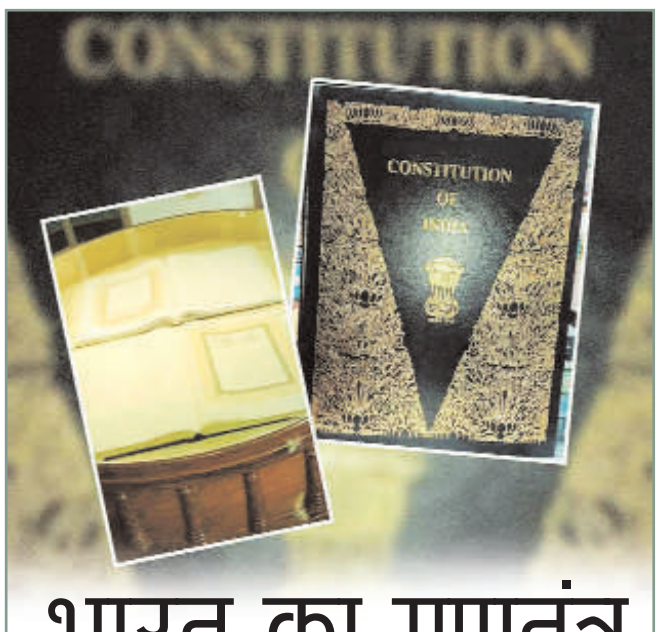

भारत का गणतंत्र

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था तथा 26 जनवरी 1950 को इसके संविधान को आत्मसात किया गया, जिसके अनुसार भारत देश एक लोकतांत्रिक, संप्रभु तथा गणतंत्र देश घोषित किया गया। 26 जनवरी 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया। यह ऐतिहासिक क्षणों में गिना जाने वाला समय था। इसके बाद से हर वर्ष इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा इस दिन देशभर में राष्ट्रीय अवकाश रहता है। हमारा संविधान देश के नागरिकों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी सरकार चुनने का अधिकार देता है। संविधान लागू होने के बाद डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने वर्तमान संसद भवन के दरबार हॉल में राष्ट्रपति की शपथ ली थी और इसके बाद पांच मील लंबे परेड समारोह के बाद इरविन स्टेडियम में उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया था।

भारत के संविधान की मूल प्रति आखिर क्यों हीलियम गैस चैंबर में रखी गई?

इस साल भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इस दिन संविधान आधिकारिक तौर पर लागू हुआ था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय संविधान की मूल प्रति कहां है? भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान माना गया है। 26 जनवरी 1950 को आधिकारिक तौर पर भारतीय संविधान को लागू किया गया था। इस खास दिन को याद रखने के लिए हर साल भारत गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाता है। भारतीय संविधान को विविधता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक माना गया है। आजादी के बाद संविधान सभा ने हाथ से लिखे दो संविधान के मसौदे किताब के तौर पर तैयार किए थे। एक मसौदा हिंदी और दूसरा अंग्रेजी भाषा में तैयार किया गया था। आज भी ये मसौदे को एक लाइब्रेरी में गैस चैंबर के अंदर बंद हैं, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि संविधान की मूल प्रति को आखिर हीलियम गैस चैंबर को क्यों बंद करके रखा गया है? दुनिया का सबसे बड़ा संविधान आखिर किस जगह पर रखा गया है?

26 जनवरी को ही क्यों लागू हुआ संविधान?

संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर 1949 को संविधान अपनाया गया था। वहीं, इसे 26 जनवरी 1950 के दिन लागू कर दिया गया था। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि 26 जनवरी 1930 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज दिवस घोषित किया था। इस वजह से इस ऐतिहासिक दिन पर ही संविधान लागू किया गया और हिंदुस्तान को एक एक लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। उस दौरान भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियां थीं।

संविधान की मूल प्रति

संविधान की मूल प्रति को लंबे वक्त तक संरक्षित करना काफी चुनौतीपूर्ण था। दरअसल, इसे हाथों से कागज पर लिखा गया था। शुरुआत में इसे फलालेन के कपड़े के साथ नेफ्थलीन बॉल्स डालकर स्टोर किया जाता था। बाद में इसे हीलियम गैस से भरे चैंबर में स्टोर किया गया। 77 साल बाद भी सविंधान की मूल प्रति अपने उसी स्वरूप में है।

कहां रखा गया है भारतीय संविधान?

भारत के संविधान को संसद की लाइब्रेरी में स्टोर करके रखा गया है। उस दौरान इसे नेफ्थलीन बॉल्स के साथ स्टोरी किया गया था। हालांकि, 1994 में अमेरिका की तरह भारत सरकार ने भी संविधान को वैज्ञानिक विधियों द्वारा तैयार गैस चैंबर में रखने का फैसला किया। इस चैंबर को अमेरिका के गैटी इंस्टीट्यूट ने तैयार किया था।

गैस चैंबर में क्यों रखा गया है भारतीय संविधान?

सभी के मन में ये सवाल आता है कि आखिर भारतीय संविधान को हीलियम गैस चैंबर में क्यों रखा गया है, तो बता दें यह एक निष्क्रिय गैस है, जिसमें सालों तक कोई भी चीज सुरक्षित बनी रहती है।

बस कपड़े का टुकड़ा नहीं है तिरंगा

तीन रंगों वाला तिरंगा झंडा यानी हमारी शान, हमारे शौर्य का प्रतीक है। यह बस एक कपड़े का टुकड़ा नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान है, यह हमारी स्वतंत्रता और एकता का प्रतीक है। यह हमें प्रेरणा देता है और हमें एकजुट रखता है। लेकिन क्या आपको पता है कि इसे बनाते कैसे हैं? इसके लिए किन चीजों की जरूरत पड़ती है?

तिरंगा बनाने की विधि

- कपड़े को तीन समान भागों में काटना होता है। प्रत्येक भाग की लंबाई और चौड़ाई 2:3 के अनुपात में होनी चाहिए।
- केसरिया रंग की पट्टी को सबसे ऊपर रखा जाता है। फिर सफेद रंग की पट्टी और अंत में गहरे हरे रंग की पट्टी रखी जाती है।
- यदि सिलाई मशीन है, तो तीनों पट्टियों की एक साथ सिलाई हो सकती है। यदि आपके पास सिलाई मशीन नहीं है, तो पट्टियों को हाथ से भी सिल सकते हैं।
- सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का चक्र बनाएं। आप इसे हाथ से भी बना सकते हैं या बाजार से तैयार चक्र खरीद सकते हैं।

चरण-दर-चरण निर्देश

कपड़े को काटें

सबसे पहले, तीन रंगों के कपड़े को तीन समान लंबाई में कटौती करनी होती है। प्रत्येक पट्टी की लंबाई 2:3 के अनुपात में होनी चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपके तिरंगे की लंबाई 90 सेंटीमीटर है, तो प्रत्येक पट्टी की लंबाई 60 सेंटीमीटर होनी चाहिए।

पट्टियों को व्यवस्थित करें

एक बार जब आपके पास तीन पट्टियाँ हों, तो उन्हें निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित करें – केसरिया रंग की पट्टी सबसे ऊपर, सफेद रंग की पट्टी बीच में, गहरे हरे रंग की पट्टी सबसे नीचे

पट्टियों को सिलाई करें

यदि आपके पास सिलाई मशीन है, तो आप पट्टियों को एक साथ सिलाई कर सकते हैं। यदि आपके पास सिलाई मशीन नहीं है, तो आप पट्टियों को हाथ से भी सिल सकते हैं। पट्टियों को सिलाई करते समय, सुनिश्चित करें कि वे एक दूसरे के साथ सीधे और समान रूप से संरेखित हों।

चक्र बनाएं

- सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का चक्र बनाया जाता है। इसे हाथ से भी बनाया जा सकता है। बाजार में भी अशोक चक्र खरीद सकते हैं।

तिरंगे के तीन रंगों का अलग अर्थ है –

- केसरिया रंग साहस और बलिदान का प्रतीक है। यह हमें हमारे देश के लिए लड़ने और बलिदान देने के लिए प्रेरित करता है।
- सफेद रंग शांति और सच्चाई का प्रतीक है। यह हमें शांति और सद्भाव के साथ जीने के लिए प्रेरित करता है।
- हरा रंग प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है। यह हमें अपने देश को एक समृद्ध और उन्नत देश बनाने के लिए प्रेरित करता है।

गिग वर्कर यूनियनों की मांगे

जब गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों की बाकी मांगों पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। ऐप के जरिए वस्तुओं की दस मिनट के अंदर डिलीवरी के चलन को रुकवाने के लिए केंद्र सरकार ने उचित हस्तक्षेप किया है। इसका नतीजा तुरंत सामने आया। केंद्रीय श्रम मंत्री के साथ ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विजी, जमैटो आदि ऐप्स की संचालक कंपनियों के अधिकारियों की हुई बैठक में दस मिनट के अंदर डिलीवरी को रोकने पर सहमति बनी। इन कंपनियों का दावा था कि दस मिनट के अंदर डिलीवरी सुनिश्चित करवाने के लिए उन्होंने बड़ी संख्या में अतिरिक्त वेयरहाउस खोले और अधिक संख्या में डिलीवरी ब्वॉयज की सेवा ली, मगर घर- घर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की नई बनी यूनियनें इस बात से सहमत नहीं थीं। इसीलिए बीते 25 और 31 दिसंबर को जब उन्होंने हड़ताल का आयोजन किया, तो उसमें एक प्रमुख मांग थी कि दस मिनट की शर्त को खत्म किया जाए। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय श्रम मंत्रालय को ज्ञापन दिया, जिस पर श्रम मंत्री ने स्वागत-योग्य पहल की। जिस दौर में गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों ने इस संबंध कई और खास मांगें सामने रखी हैं। चूंकि ऐप संचालक कंपनियों ने उन पर विचार करने का कोई संकेत अपनी तरफ से नहीं दिया है, इसलिए अपेक्षित होगा कि सरकार अपनी ये पहल आगे बढ़ाए। गौरतलब है कि यूनियनों ने न्यूनतम किस्म की मांगें ही रखी हैं। उनमें यह शामिल नहीं है कि गिग वर्करों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। सिर्फ ऐसा हो जाए, तो इन कर्मियों को कई कानूनी सुरक्षाएं मिल जाएंगी। ब्रिटेन में न्यायिक निर्णय से ऐसे कर्मियों को कर्मचारी का दर्जा मिला था। फिलहाल भारत में मांग यही है कि वर्कर्स को उचित कमीशन मिले, डिलीवरी संबंधी सख्त समयसीमा हटाई जाए और कर्मचारियों को सेवा से हटाने (उनके ऐप को डिसएबल करने) से पहले उनका पक्ष सुना जाए।

बांग्लादेश में फिर एक हिन्दू की हत्याः भारत सरकार की चुप्पी बनेगी आगे भी काल का कारण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश एक बार फिर खून से लाल है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार मारा गया व्यक्ति कोई राजनेता नहीं, कोई उग्रवादी नहीं, बल्कि एक साधारण हिन्दू युवक था; चंचल चंद्र भौमिक। उसे किसी न्यायालय ने सजा नहीं दी थी, किसी युद्ध में वह दुश्मन नहीं था, फिर भी उसे जिंदा जला दिया गया। उसका अपराध सिर्फ इतना था कि वह हिन्दू था और बांग्लादेश में जी रहा था। यह हत्या कोई नई बात नहीं न कोई अपवाद है, यह तो उस निरंतर चल रहे हिन्दू संहार की एक और कड़ी है, जिसे बांग्लादेश सरकार या तो देख नहीं पा रही या जानबूझकर अनदेखा कर रही है। 23 जनवरी की आधी रात नरसिंगदी जिले के एक गैरेज में जो हुआ वह बांग्लादेशी राज्य में चंचल चंद्र भौमिक के जरिए फिर एक सार्वजनिक चेतावनी है कि हिन्दू होना अब इस देश में मौत को न्योता देना है। यदि यह अपराध किसी व्यक्तिगत रंजिश का नतीजा होता, तब ही माना जा सकता था कि आपसी विवाद का ये परिणाम है, किंतु ऐसा बिल्कुल भी सामने नहीं आया है। बार-बार हिन्दुओं को जिंदा जलाना प्रतीक होता है जैसे बांग्लादेश में गैर मुसलमानों के लिए इस्लामिक जिहादी ताकतें भय का, आतंक का और वर्चस्व स्थापित करने का एक ऐसा वातावरण तैयार कर रही हैं, जिसमें सिर्फ इस्लाम को माननेवाले ही रह सकते हैं! चंचल से पहले गाजीपुर के कालीगंज में लिटन चंद्र घोष को बेलचे से सिर कुचलकर मार दिया गया। उसके बाद राजबाड़ी में पेट्रोल पंप पर काम करने वाले रिपन साहा को एक बीएनपी नेता ने गाड़ी से रौंद डाला। इन घटनाओं में समानता साफ है, पीड़ित हिन्दू हैं और अपराधियों को सत्ता-संरक्षण का भरोसा है। कभी देवी-देवताओं की तस्वीरें बहाना बनती हैं, कभी पैसे का विवाद। असल वजह हमेशा एक ही रहती है मजहबी (धार्मिक) घृणा। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार केवल छह महीनों में 116 से अधिक अल्पसंख्यकों की हत्या हुई, जिनमें अधिकांश हिन्दू थे। दिसंबर 2025 में ही 51 सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं दर्ज की गईं। ये आंकड़े किसी आंतरिक अशांति के नहीं, बल्कि सुनियोजित हिंसा के हैं। यह एक पैटर्न है; लक्षित हत्या, मॉब लिंचिंग, झूठे ईशनिंदा आरोप और प्रशासनिक चुप्पी के। आज इस्लामिक साम्राज्यवाद के नजरिए से देखें तो दिख यही रहा है कि 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना के साथ जिस मजहबी राजनीति ने जन्म लिया, वही आज बांग्लादेश में हिंसा का मूल है। भूमि की स्वाभाविक पहचान को मिटाकर एक आरोपित पहचान थोपने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहा अत्याचार इसी ऐतिहासिक संघर्ष का परिणाम है। किंतु इस्लामिक जिहादी ये भूल जाते हैं कि नाम बदल देने से इतिहास नहीं बदलता। सिंधु देश भारत था, है और रहेगा, चाहे उसके कितने ही टुकड़े क्यों न कर दिए जाएं। आप देखेंगे कि हर हिन्दू हत्या के बाद बांग्लादेश पुलिस का एक तयशुदा बयान आता है, "जांच जारी है", "सभी एंगल देखे जा रहे हैं"। लेकिन नतीजा शून्य रहता है। न त्वरित न्याय, न कठोर सजा। कई मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। जब राज्य अपराधियों को दंडित नहीं करता, तब समझलें कि वह अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जिहादियों को, हिंसक इस्लामवादियों को लाइसेंस दे देता है। कहना होगा कि मोहम्मद यूनुस के शासनकाल में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं, वह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं कही जा सकती है, यह तो राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव का प्रमाण और सीधे तौर पर हिन्दू हत्या करवाना है। यह देखकर ओर आश्चर्य एवं दुख होता है कि एक तरफ आज का वैश्विक उदार वर्ग गाजा पर आंसू बहाता है, जिसमें कि भारत में भी ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है, किंतु बांग्लादेश में जिंदा जलाए जा रहे हिन्दुओं पर उसकी आवाज गुम हो जाती है। भारत में कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों को उमर खालिद की जेल ज्यादा बड़ी मानवाधिकार समस्या लगी, पर बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के बलात्कार, मंदिरों की आगजनी और लक्षित हत्याएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। निश्चित ही ये भारत में इस प्रकार की सोच रखनेवालों के लिए और वैश्विक स्तर पर यह संवेदनशीलता नहीं है, यह सीधे तौर पर वैचारिक पाखंड है, जो हिंसा और अत्याचार पर दोहरे मापदण्ड निर्धारित करता है। क्या बांग्लादेश के हिन्दू भारत का विषय नहीं? यह कहना कि बांग्लादेश के हिन्दू भारत का विषय नहीं हैं, ऐतिहासिक अज्ञानता है। बंग भूमि की चेतना ढाकेश्वरी देवी से जुड़ी है। सीमाएं बदली हैं, सभ्यता नहीं। जो हिन्दू आज बांग्लादेश में मारे जा रहे हैं, वे उसी सांस्कृतिक धारा के वाहक हैं जिसकी जड़ें भारत में हैं। जब किसी सभ्यतागत समुदाय को उसकी पहचान के कारण मिटाने का प्रयास होता है, तो उस सभ्यता के माननेवालों का यह दायित्व है कि वे उसके हित संरक्षण में खुलकर बोलें, साथ खड़ें हों, लिख सकें तो लिखें, जहां प्रतिकार कर सकते हैं, वहां उसके समर्थन में वो भ करें। ऐसे में स्वभाविक तौर पर आज भारत का मौन कूटनीतिक से अधिक नैतिक अपराध बनता हुआ दिख रहा है। समझ नहीं आता कि कभी भारत से अलग हुए बांग्लादेश के लिए बहुसंख्यक हिन्दू जनसंख्या वाले भारत की क्या मजबूरियां हैं जो वो यूनिस सरकार को सख्त संदेश नहीं दे पा रहा है! बेशक; भारत सरकार ने चिंता जताई है, रिपोर्टें मंगाई हैं, कूटनीतिक भाषा में बयान दिए हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि कट्टरपंथ बयान नहीं समझता, वह केवल दबाव समझता है। यदि भारत इस मुद्दे पर निर्णायक, आक्रामक और निरंतर अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं बनाएगा तो यह हिंसा सीमा पार अस्थिरता का रूप ले सकती है। संसदीय समितियां पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं कि बांग्लादेश की स्थिति 1971 के बाद सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, किंतु अंततः अंतिम निर्णय तो भारत सरकार को ही इसमे लेना है। आज चंचल चंद्र भौमिक की हत्या फिर बता रही है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के लिए भविष्य और भी अंधकारमय होता जा रहा है। दूसरी ओर भारत को भी यह समझना होगा कि जब इतिहास पुकार रहा हो, तब मौन साधना नहीं, हस्तक्षेप करना ही धर्म होता है। क्योंकि अन्याय पर चुप्पी अंततः स्वयं काल बन जाती है।

सरदार जोधसिंह : 40 रुपये की पूंजी से कायम किया अरबों का साम्राज्य, अनपढ़ होकर भी शिक्षा की अलख जगायी

सीताराम अग्रवाल

भारत के विभाजन के दंश का शिकार 27 वर्ष का एक युवक पाकिस्तान से सिर्फ तीन कपड़ों में भारत आता है। यहां आने पर अमृतसर के गुरूद्वारा में रूकता है। पर सिर्फ 10-15 दिनों में ही उसकी आत्मा छटपटाने लगती है। ऐसा कैसे चलेगा। वहां से रोजी- रोटी की तलाश में निकल पड़ता है। रास्ते में एक व्यक्ति से 40 रुपये में एक भैंस खरीदता है तथा हाथों-हाथ उसे 102 रुपये में बेच कर उस व्यक्ति को 40 रुपये वापस देकर अपनी कुशाग्र व्यावसायिक बुद्धि का परिचय देता है। कुछ ही समय बाद युवक कलकत्ता (अब कोलकाता) चला आता है तथा अपनी लगन, मेहनत, निष्ठा के बलबूते अरबों रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लेता है। परिस्थिति ने इस युवक को पढ़ने का मौका तो नहीं दिया, पर आगे एक ऐसी घटना हुई कि इन्होंने शिक्षण संस्थानों की एक श्रृंखला ही स्थापित कर दी, जहां आज हजारों बच्चे प्रति वर्ष उच्च कोटि की शिक्षा प्राप्त कर न सिर्फ अपनी आजीविका चला रहे हैं, बल्कि देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं। कैसे हुआ यह चमत्कार। इस लेख के जरिये मैं इसकी एक झलक दिखाना चाहता हूं, क्योंकि इस महान व्यक्तित्व की वर्षों की लम्बी साधना को थोड़े से शब्दों में नही बांधा जा सकता। यह मेरा सौभाग्य है कि इस हस्ती का सानिध्य, स्नेह व अपनापन कुछ वर्षों तक मुझे भी मिला। इस शख्सियत का नाम है सरदार जोधसिंह। इन्होंने गाय-भैंस व दूध के कारोबार में विशाल सम्पत्ति अर्जित की । इनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की श्रृंखला का नाम है- जेआईएस ग्रुप। एक फरवरी 1920 को जन्में जोधसिंह का स्वर्गवास 25 जनवरी 2018 को हुआ है। सरदार जोधसिंह का जन्म अविभाजित पंजाब के मोन्टोगोमेरी जिले के एक सुदूरवर्ती गांव में हुआ था। 1947 में भारत विभाजन के बाद ये वहां से चले आये। लानेवाले ने अमृतसर गुरूद्वारा के पास छोड़ दिया। अब इन्ही के शब्दों में- 'पाकिस्तान से तीन कपड़े में आने के बाद 10-15 दिन तो गुरुद्वारे में गुजारे। पर सोचा, ऐसा कैसे चलेगा। कुछ धंधा- पानी तो करना चाहिए। मैंने गुरुद्वारे में रह रहे कुछ गांव वालों से पूछा कि वे कहां रहते हैं और क्या करते हैं। जवाब मिला- लुधियाना। मैंने पूछा कि मेरे लिए जगह है। बताया गया कि पूरी जगह खाली पड़ी है। बस निकल पड़ा। रास्ते में एक व्यक्ति भैंस ले जाते हुए दिखायी पड़ा। पूछा- बड़े मिया भैंस बेचेंगे। उसने कहा- हां। मैंने कहा- पाकिस्तान से आये हैं, मेरे पास पैसे नहीं है। मैं इस भैंस के 40 रुपये दे सकता हूँ। थोड़ी देर बाद। बड़े मियां राजी हो गये और उनसे लेकर वह भैंस मैंने 102 रुपये में बेच दी तथा उनके 40 रुपये दे दिये। इसके कुछ समय बाद सरदार जी कलकत्ता आ गये। यहाँ उन्होंने गाय- भैंस व दूध का धंधा शुरू किया, जो जोर- शोर से चल पडा। यहाँ तक कि कई सरकारी डेयरियों मे इनका दूध सप्लाई होने लगा। फिर तो बंगाल में इनकी कई खटालें (जहाँ सामूहिक रूप से गाय भैंसें रखी जाती हैं, बंगाल में उसे खटाल कहते हैं) हो गयीं। ऐसी ही एक बहुत बड़ी खटाल कमरहट्टी स्थित मेरे घर के पास थी। कहते हैं, वहां करीब 4-5 हजार गाय-भैंसे थीं। उस इलाके में एक विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में मेरा परिचय इनसे हुआ था। यह सिलसिला वर्षों चला । 15 अगस्त, सरस्वती पूजा के साथ विभिन्न समारोहों में हम मिलते रहे। मैंने एक बात और नोटिस की। वो कभी भाषण नहीं देते थे। उनके हिस्से की खानापूरी मुझे ही करनी पड़ती थी। शुरू-शुरू में कुछ बातें आशीर्वाद स्वरूप ही बोलने के लिए मैं जोर देता था तो वे मेरी पीठ थपथपा कर कहते- पुत्तर, आप अच्छा बोलते हो। आप ही बोलो। बाद में मुझे समझ में आया कि सरदार जी बोलने से ज्यादा कर्म करने में विश्वास करते थे। हां स्कूलों को आर्थिक मदद करने में कोई कोताही नहीं बरतते थे। आगे चल कर इसी खटाल के एक हिस्से में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गयी, जिसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने किया था। मुझे भी सरदार जी ने इस समारोह में आमंत्रित किया था। उन्होंने ज्योति बसु को तलवार भेंट की थी। अब मैं बताता हूं कि वह घटना क्या थी, जिसकी वजह से दूध व्यवसाय के साथ ही सरदार जोधसिंह शिक्षण संस्थानों के निर्माण में जुट गये और जेआईएस ग्रुप ही बना डाला। उन्ही के शब्दों में-' मैं नहीं पढ़ सका, क्योंकि पैसे नहीं थे। पर बाद में जब पैसे हुए तो बड़े लड़के को पढ़ने के लिए स्कूल ले गया। वहां उन लोगों ने हमसे अंग्रेजी में बात की। अब न मुझे अंग्रेजी आती थी न मेरे लड़के को। हम अपनी बात उन्हें समझा नहीं पाये। अतः मेरे लड़के को दाखिला नहीं मिला। मुझे अफसोस हुआ। झटका-सा लगा। बस मन में विचार आया कि ऐसे शिक्षण संस्थान बनाये जायें, जहां इस तरह की बातें न हो और बच्चे भी जीवन में कुछ बन पाये।' इसके बाद सरदार जोधसिंह ने अपने भाई ईश्वर सिंह के साथ मिलकर जेआईएस ग्रुप की स्थापना की। जेआईएस का अर्थ है जोध ईश्वर सिंह। इस समय इस ग्रुप के तहत शिक्षण संस्थानों का एक विशाल जाल है, जिसके तहत हजारों विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना आसनसोल में 1998 में , इसके बाद कल्याणी में 2000 में इंजीनियरिंग कालेज, नारूला इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (जिसका उद्घाटन ज्योति बसु ने किया था) 2001 में तथा पहला गैर सरकारी डेन्टल कालेज पानीहाटी में 2003 में स्थापित हुआ।

यूजीसी मामले में सत्तापक्ष में अलगाव, विपक्ष का मौन समर्थन

राकेश कुमार

नीति, कानून और सत्ता—तीनों जब एक साथ आते हैं, तो अक्सर सबसे दिलचस्प चीज़ होती है असहज चुप्पी और अघोषित मतभेद। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) कानून को लेकर मौजूदा बहस ठीक इसी त्रिकोण में फँसी दिखती है। सतह पर सरकार का दावा है कि यह उच्च शिक्षा में सुधार, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। लेकिन परतें हटाइए, तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल और राजनीतिक रूप से रोचक बन जाती है—जहाँ सत्तापक्ष के भीतर अलगाव है और विपक्ष का "मौन समर्थन" लोकतांत्रिक बहस की आत्मा पर सवाल खड़े करता है।

यूजीसी कानून का मूल उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के नियमन को अधिक केंद्रीकृत, मानकीकृत और जवाबदेह बनाना बताया जा रहा है। सरकार का तर्क है कि वर्तमान व्यवस्था बिखरी हुई है, राज्यों और संस्थानों के बीच गुणवत्ता में भारी अंतर है, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत पीछे रह जाता है। इस कथन में तथ्य का अंश जरूर है—भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में असमानताएँ हैं, शोध का स्तर कई जगह कमजोर है, और नियामक संस्थाएँ अक्सर धीमी व अप्रभावी साबित हुई हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि सुधार चाहिए या नहीं। असली सवाल यह है कि सुधार किसके नियंत्रण में होंगे, और उनकी कीमत कौन चुकाएगा।

यहीं से सत्तापक्ष के भीतर का अलगाव सामने आता है। एक ओर केंद्र सरकार और उसका शीर्ष नेतृत्व इस कानून को "राष्ट्रहित" से जोड़कर प्रस्तुत कर रहा है। दूसरी ओर, उसी सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ राज्य सरकारें और सांसद इसे संघीय ढाँचे पर हमला मान रहे हैं। शिक्षा, संविधान की समवर्ती सूची में है—यानी केंद्र और राज्य दोनों की जिम्मेदारी। यूजीसी कानून का प्रस्तावित स्वरूप कई राज्यों को यह संदेश देता है कि उनकी भूमिका औपचारिक भर रह जाएगी, जबकि असली निर्णय दिल्ली से लिए जाएंगे। यह चिंता केवल विपक्षी राज्यों तक सीमित नहीं है; सत्तापक्ष शासित कुछ राज्यों में भी इसे लेकर असंतोष है, भले ही वह सार्वजनिक मंचों पर पूरी तरह व्यक्त न किया गया हो। यह अलगाव वैचारिक से अधिक व्यावहारिक है। राज्य सरकारें जानती हैं कि विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक संस्थान नहीं होते, वे स्थानीय समाज, भाषा, संस्कृति और रोजगार से गहराई से जुड़े होते हैं। जब पाठ्यक्रम, नियुक्तियाँ और मूल्यांकन प्रणाली अत्यधिक केंद्रीकृत हो जाती है, तो स्थानीय जरूरतों की अनदेखी का खतरा बढ़ जाता है। सत्तापक्ष के भीतर जो नेता इस खतरे को समझते हैं, वे खुलकर विरोध करने में हिचकते हैं—क्योंकि पार्टी अनुशासन और सत्ता-संतुलन का दबाव भारी है। परिणामस्वरूप, हमें एक ऐसा दृश्य दिखता है जहाँ समर्थन आधिकारिक है, लेकिन विश्वास अधूरा। अब आते हैं विपक्ष पर, जिसका रुख पहली नज़र में हैरान करता है। आमतौर पर केंद्र सरकार के किसी भी बड़े कानून पर विपक्ष मुखर विरोध करता है, सड़क से संसद तक शोर मचता है। लेकिन यूजीसी कानून के मामले में विपक्ष का विरोध अपेक्षाकृत धीमा और संयमित रहा है। कुछ बयान आए, कुछ आशंकाएँ जताई गईं, पर वैसा तीखा संघर्ष नहीं दिखा, जैसा अन्य मुद्दों पर देखने को मिला है। इसे "मौन समर्थन" कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस मौन के पीछे कई कारण हैं। पहला, विपक्ष स्वयं उच्च शिक्षा के मौजूदा संकट से अनभिज्ञ नहीं है। विश्वविद्यालयों में गिरती गुणवत्ता, बेरोजगार डिग्रियाँ, और शोध के नाम पर औपचारिकता—ये समस्याएँ किसी एक सरकार की देन नहीं हैं। विपक्ष जानता है कि यदि वह सुधार की हर कोशिश का विरोध करेगा, तो उस पर यथास्थिति का पक्षधर होने का आरोप लगेगा। दूसरा कारण राजनीतिक है—कई विपक्षी दल जब सत्ता में थे, तब उन्होंने भी केंद्रीकरण की दिशा में कदम उठाए थे। ऐसे में नैतिक ऊँचाई पर खड़े होकर पूर्ण विरोध करना उनके लिए कठिन है।लेकिन यह मौन समर्थन लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। संसद केवल कानून पास करने की मशीन नहीं है; वह बहस, संशोधन और संतुलन का मंच है। जब सत्तापक्ष भीतर से विभाजित हो और विपक्ष पूरी ताकत से सवाल न उठाए, तो कानून अक्सर बिना पर्याप्त लोकतांत्रिक मंथन के आगे बढ़ जाते हैं। यूजीसी कानून के साथ भी यही खतरा है—कि वह तकनीकी शब्दावली और "सुधार" के आकर्षक नारों में लिपटकर, उच्च शिक्षा की आत्मा को छूने वाले सवालों से बच निकल जाए। इस कानून का एक बड़ा मुद्दा अकादमिक स्वायत्तता है। विश्वविद्यालय केवल ज्ञान देने की फैक्ट्रियाँ नहीं हैं; वे विचारों के प्रयोगशाला होते हैं। स्वायत्तता का अर्थ मनमानी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता है। यदि नियुक्तियाँ, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन अत्यधिक नियंत्रित हो गए, तो विविधता और नवाचार पर असर पड़ना तय है। सरकार कहती है कि स्वायत्तता बढ़ेगी, लेकिन आलोचकों को डर है कि यह स्वायत्तता "प्रबंधकीय" होगी, "बौद्धिक" नहीं। एक और पहलू है सामाजिक न्याय का। उच्च शिक्षा में आरक्षण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और वंचित वर्गों की पहुँच—ये सब ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें केवल बाज़ार और रैंकिंग के तर्क से नहीं सुलझाया जा सकता। यूजीसी कानून अगर केवल गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा की भाषा बोलेगा, तो वह सामाजिक समावेशन के सवालों को हाशिये पर धकेल सकता है। सत्तापक्ष के भीतर जो अलगाव है, उसका एक कारण यह भी है कि कुछ नेता जानते हैं—ग्रामीण, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकते हैं। विपक्ष की चुप्पी यहाँ और खतरनाक हो जाती है। अगर वही विपक्ष, जो सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा झंडाबरदार होने का दावा करता है, इन पहलुओं पर जोरदार बहस नहीं करता, तो कौन करेगा? यह चुप्पी इस आशंका को जन्म देती है कि शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दे पर भी राजनीति रणनीति में बदल गई है—जहाँ स्पष्ट रुख से अधिक महत्वपूर्ण है सही समय का इंतजार। यूजीसी कानून का मामला हमें भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी बीमारी की याद दिलाता है—नीति निर्माण में व्यापक संवाद की कमी। छात्र, शिक्षक, विश्वविद्यालय प्रशासन, राज्य सरकारें—सबकी आवाज़ इस प्रक्रिया में समान रूप से सुनी जानी चाहिए थी। इसके बजाय, परामर्श सीमित रहा और राजनीतिक गणनाएँ भारी पड़ीं। सत्तापक्ष के भीतर का अलगाव इस बात का संकेत है कि असहमति मौजूद है, लेकिन वह संरचित बहस का रूप नहीं ले पा रही। विपक्ष का मौन समर्थन बताता है कि राजनीतिक लाभ-हानि का हिसाब, वैचारिक स्पष्टता पर भारी है। अंततः सवाल यूजीसी कानून के पक्ष या विपक्ष में होने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या हम शिक्षा को केवल प्रशासनिक सुधार का विषय मान रहे हैं, या उसे लोकतांत्रिक भविष्य की नींव के रूप में देख रहे हैं। अगर यह कानून बिना गहरी बहस, संशोधन और सहमति के लागू होता है, तो हो सकता है कि कुछ तात्कालिक लाभ दिखें—बेहतर रैंकिंग, तेज़ निर्णय, एकरूपता। लेकिन दीर्घकाल में, विचारों की विविधता और संघीय संतुलन को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई कठिन होगी। यूजीसी कानून पर सत्तापक्ष में अलगाव और विपक्ष का मौन समर्थन—दोनों ही इस बात के संकेत हैं कि हमारी राजनीति फिलहाल शिक्षा को उस गंभीरता से नहीं ले रही, जिसकी वह हकदार है। लोकतंत्र में असहमति कमजोरी नहीं, ताकत होती है। जब असहमति दबा दी जाए या रणनीतिक चुप्पी में बदल जाए, तो कानून भले पास हो जाए, पर विश्वास कमजोर पड़ जाता है। और शिक्षा के मामले में, कमजोर विश्वास का अर्थ है—एक ऐसा भविष्य, जो डिग्रियों से भरा हो, पर विचारों से खाली।

(लेखक - बॉर्डर न्यूज मिरर में सब एडिटर हैं)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज पारिवारिक काम को पूरा करने में आपको घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। सहपाठी अपनी कुछ पर्सनल बातें आपसे शेयर कर सकता है। आप दोस्त की मदद के लिये हमेशा तैयार रहेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप किसी विषय पर शिक्षकों से चर्चा करेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते काम रुक सकता है। आज जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरूर ले लें। माता-पिता के आशीर्वाद से आज सभी बाधाओं को दूर करने में आप सक्षम रहेंगे। आपके दिमाग में खुद-ब-खुद नये-नये आइयिाज़ आते रहेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जो छात्र बारहवीं के बाद कॉलेज में एडमिशन लेने की सोच रहे हैं उनके लिये आज का दिन अच्छा है। साथ ही जो छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिये जाना चाहते हैं, वे किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं। आज रुपये पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है।

कर्क राशिः आज आपको कुछ जरूरी कामों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आपको वापस मिल सकता है, आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन उत्तम है, पहले दी गई किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। परिवार में सुखद वातावरण का माहौल रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिये बहुत ही उपयोगी साबित होगा। जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस से जुड़े लोगों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। आज अपनी वाणी पर संयम रखें।

कन्या राशिःआज आपका दिन थोड़ा अच्छा रहेगा। आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। नौकरी करने वाली महिलाओं के लिये भी दिन बढ़िया रहेगा, बॉस और अन्य सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे। जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिये वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। कन्या के लिये आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उनके लिये दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आपकी पार्टी आपको बड़ा पद भी दे सकती है। जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी । आपको किसी बड़े ग्रुप से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ बितायेंगे। आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लॉन भी बना सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सबके साथ बेहतर रिश्ते बने रहेंगे। घरेलू कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज जिन विद्यार्थियों का कंप्यूटर साइंस का एग्जाम है, उनकी सफलता सुनिश्चित होगी। किसी नए प्रोजेक्ट में मित्रों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने की प्लानिंग बनायेंगे। शाम को अपने बच्चों के साथ बेहतर टाईम स्पेंड करेंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ़ होगी, आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा। आज समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है। आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामजिक संगठन से जुड़ सकते हैं। आपके जूनियर भी आपसे काम सिखना चाहेंगे। किसी काम के लिये आपको ऑफिस में अवॉर्ड भी मिल सकता है।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। किसी सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है। किसी भी तरह की लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2026 के लिए एमएस धोनी की तैयारी शुरू

» पैड पहनते वीडियो ने बढ़ाया उत्साह

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और चेन्नई सुपर किंग्स के सबसे बड़े चेहरों में शामिल महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। शनिवार को सोशल मीडिया पर धोनी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह पैड पहनते और बल्लेबाजी के लिए तैयार होते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है, जिसने क्रिकेट फैंस के बीच एक बार फिर उत्साह की लहर दौड़ा दी है। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा साझा किए गए वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, "देखो कौन वापस आ गया है। वीडियो में धोनी का शांत लेकिन आत्मविश्वास से भरा अंदाज दिखाई दे रहा है, जिसे देखकर फैंस एक बार फिर उन्हें मैदान पर देखने को लेकर रोमांचित हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद धोनी अब सिर्फ आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी ही टूर्नामेंट की चमक को कई गुना बढ़ा देती है। एमएस धोनी ने दिसंबर 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था और अपनी कप्तानी में भारत को तीनों फॉर्मेट में ऐतिहासिक सफलताएं दिलाईं। टी20 वर्ल्ड कप 2007, वनडे वर्ल्ड कप 2011 और चैंपियंस ट्रॉफी 2013 की जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास के सुनहरे पलों में शामिल हैं। 15 अगस्त 2020 को जब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, तो यह पल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद भावुक रहा। आईपीएल में धोनी का सफर भी उतना ही शानदार रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उन्होंने कई यादगार जीत दिलाईं और टीम को पांच बार खिताब जिताया। हालांकि पिछला सीजन सीएसके के लिए बेहद निराशाजनक रहा था। टीम पॉइंट्स टेबल में अंतिम स्थान पर रही और 14 मैचों में सिर्फ चार जीत ही हासिल कर सकी। आईपीएल 2025 में धोनी का प्रदर्शन भी उनके कद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने 13 पारियों में 196 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 24.50 और स्ट्राइक रेट 135.17 रहा। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 30 रन था। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने एक बार फिर टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी। अब आईपीएल 2026 को लेकर उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि धोनी आगामी सीजन में खेलते नजर आएंगे, जो उनका 17वां आईपीएल सीजन होगा। माना जा रहा है कि यह धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन भी हो सकता है, ऐसे में सीएसके छठी ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ शानदार फॉर्म में हैं और धोनी का अनुभव टीम के लिए एक मजबूत सहारा साबित हो सकता है। आईपीएल इतिहास में एमएस धोनी का रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 278 मैचों में 242 पारियों में 5,439 रन बनाए हैं। उनका औसत 38.80 और स्ट्राइक रेट 137.45 रहा है। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक जड़े, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 84 रन रहा। भले ही उन्होंने आईपीएल में कभी शतक न लगाया हो, लेकिन फिनिशर के तौर पर उनकी भूमिका और दबाव में मैच पलटने की क्षमता आज भी बेजोड़ मानी जाती है।

चेतेश्वर पुजारा: धैर्य, समर्पण और टेस्ट क्रिकेट की दीवार

एजेंसी, नई दिल्ली

तेज रफ्तार क्रिकेट के इस दौर में जहां आक्रामक बल्लेबाजी और त्वरित रन सबसे बड़ी पहचान बन चुके हैं, वहीं चेतेश्वर पुजारा ने धैर्य और संयम को अपनी ताकत बनाया। जमाने के उलट चलना आसान नहीं होता, लेकिन पुजारा ने इसी कठिन रास्ते को चुना और टेस्ट क्रिकेट में भारत की सबसे मजबूत दीवार बनकर उभरे। क्रीज पर लंबा समय बिताने की क्षमता, मानसिक मजबूती और टीम के लिए संघर्ष करने की आदत ने उन्हें राहुल द्रविड़ के बाद दूसरा 'द वॉल' बना दिया। 25 जनवरी 1988 को गुजरात के राजकोट में जन्मे चेतेश्वर पुजारा के क्रिकेटर बनने के पीछे उनके पिता अरविंद पुजारा का बड़ा योगदान रहा। अरविंद खुद प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और कोच रहे थे। बचपन से ही क्रिकेट को जीवन का लक्ष्य बनाने वाले पुजारा ने सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई और 2005 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। लगातार पांच साल तक घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद 2010 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू का मौका मिला। पुजारा ने इस मौके को दोनों हाथों से थामा और धीरे-धीरे टेस्ट टीम के स्थायी और भरोसेमंद स्तंभ बन गए। 2010 से 2023 के बीच भारत को टेस्ट क्रिकेट में मिली कई बड़ी सफलताओं में पुजारा की भूमिका अहम रही। खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2018-19 की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अविस्मरणीय रहा। चार टेस्ट मैचों में 521 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थकाया और भारत की पहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत की नींव रखी। अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन, जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 153 रन, रांची में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 202 रन की मैराथन पारी और ऑस्ट्रेलिया दौरे की कई जुझारू पारियां उनके करियर की पहचान बनीं। पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में 103 मैचों की 176 पारियों में 7,195 रन बनाए, जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 43.60 रहा और सर्वोच्च स्कोर नाबाद 206 रन रहा। काउंटी क्रिकेट में भी उन्होंने अपनी तकनीक और धैर्य का लोहा मनवाया। 24 अगस्त 2025 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पुजारा को टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनके समर्पण और संघर्ष के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

वर्ल्ड कप में मैदान से बाहर तय हुए फैसले: जब खेलने से इनकार ने बदला क्रिकेट का इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट वर्ल्ड कप को आमतौर पर खेल की निष्पक्षता, प्रतिस्पर्धा और जश्न का सबसे बड़ा मंच माना जाता है, लेकिन इसके इतिहास में ऐसे मौके भी आए हैं जब मुकाबलों के नतीजे मैदान पर नहीं, बल्कि मैदान के बाहर तय हुए। राजनीतिक तनाव, सुरक्षा चिंताएं और कूटनीतिक हालात कई बार इतने हावी रहे कि टीमों ने वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलने से ही इनकार कर दिया। यह सिलसिला करीब 30 साल पहले शुरू हुआ था और समय-समय पर क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों को प्रभावित करता रहा है। वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार ऐसा मामला 1996 के वनडे वर्ल्ड कप में सामने आया, जिसकी सह-मेजबानी भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका ने की थी। उस समय श्रीलंका गृहयुद्ध से जूझ रहा था और कोलंबो में हुए बम धमाके ने सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया था। हालांकि भारत और पाकिस्तान ने वहां श्रीलंका के खिलाफ मैच खेले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज़ ने कोलंबो जाकर अपने ग्रुप मैच खेलने से इनकार कर दिया। नतीजतन, कहे बिना खेले ही श्रीलंका को वॉकओवर मिल गया, जिसने आगे चलकर टूर्नामेंट की तस्वीर ही बदल दी। इसके बाद 2003 का वनडे वर्ल्ड कप भी विवादों से अछूता नहीं रहा। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या की संयुक्त मेजबानी वाले इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध बेहद तनावपूर्ण थे और इंग्लैंड ने सुरक्षा के साथ-साथ राजनीतिक कारणों का हवाला दिया। वहीं न्यूजीलैंड ने भी नैरोबी जाकर केन्या के खिलाफ खेलने से मना कर दिया। इन दोनों फैसलों ने टूर्नामेंट की अंकतालिका और समीकरणों को काफी प्रभावित किया। साल 2009 में एक अलग ही मिसाल देखने को मिली, जब जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से ही अपना नाम वापस ले लिया। यूनाइटेड किंगडम और जिम्बाब्वे के बीच लंबे समय से चले आ रहे खराब रिश्तों के चलते आईसीसी और जिम्बाब्वे क्रिकेट के बीच सहमति बनी कि "खेल के व्यापक हित" में जिम्बाब्वे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगा। उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया, जिससे यह साफ हुआ कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति का असर सिर्फ मैचों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी टीम की भागीदारी भी दांव पर लग सकती है। 2016 में बांग्लादेश में आयोजित अंडर-19 वर्ल्ड कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इससे पहले भी ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश दौरे से खुद को अलग कर लिया था। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड का मानना था कि वहां ऑस्ट्रेलियाई हितों को खतरा बना हुआ है, इसलिए युवा खिलाड़ियों को जोखिम में नहीं डाला जा सकता। हाल के वर्षों में ऐसा ही मामला 2025 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में देखने को मिला, जब भारत ने पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया। राजनीतिक तनाव और सुरक्षा चिंताओं के चलते टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करना पड़ा और भारत ने अपने सभी मैच यूएई में खेले। अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भी इसी तरह की आशंकाएं सामने आ रही हैं, जहां बांग्लादेश ने भारत आकर खेलने से मना कर दिया है और अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग पर अड़ा हुआ है।

दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने अपने प्रदर्शन को लेकर संतोष जताया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने अपने प्रदर्शन को लेकर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि जब टीम को उनकी जरूरत थी, तब योगदान दे पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई। मिन्नू ने माना कि पिछले कुछ मैचों में उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा वह चाहती थीं। हालांकि उन्होंने हर मैच में पूरी कोशिश की थी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में शनिवार को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीजन की तीसरी जीत हासिल की। मैच में पहले फील्डिंग का फैसला करते हुए दिल्ली के गेंदबाजों ने आरसीबी को 109 रन पर ऑल आउट कर दिया। नंदनी शर्मा ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके अलावा मारिजान कैप (2 विकेट), चिनले हेनरी (2 विकेट) और मिन्नू मणि (2 विकेट) ने भी अनुशासित गेंदबाजी करके विरोधी टीम को रोका। इसके बाद 110 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती झटकों के बाद संभलकर खेलते हुए लक्ष्य को हासिल किया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स और लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 52 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला, जिसमें वोल्वार्ड्ट 42 रन बनाकर नाबाद रहीं और रोड्रिग्स ने 24 रनों का अहम योगदान दिया। दिल्ली ने 3 विकेट पर 111 रन बनाकर मैच जीत लिया और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद कायम रखी। मैच के बाद गेंदबाजी और एक यूनिट के तौर पर उसे लागू करने के बारे में बात करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर मिन्नू मणि ने कहा, "हम मैच में जाने से पहले अपने प्लान को लेकर बहुत स्पष्ट थे। हम जानते थे कि यहां की विकेट धीमी और नीची होगी। एक गेंदबाजी ईकाई के तौर पर, हमने सही लेंथ पर गेंद डालने पर फोकस किया और बहुत ज्यादा कुछ करने की कोशिश नहीं की। सबने अपनी-अपनी भूमिका निभाई और जिस तरह से हमने मिलकर अपने प्लान को लागू किया, उससे बहुत बड़ा फर्क पड़ा। मणि ने कहा, "ऐसी पिचों पर धैर्य बहुत जरूरी हो जाता है। आप तुरंत विकेट मिलने की उम्मीद नहीं कर सकते, लेकिन अगर आप चीजों को नियंत्रण में रखते हैं और बल्लेबाजों को रिस्क लेने पर मजबूर करते हैं, तो मौके जरूर मिलेंगे।" मैच में अपने प्रदर्शन और हाल के सुधारों के बारे में बात करते हुए मणि ने कहा, "पिछले मैचों में, मेरा प्रदर्शन वैसा नहीं था जैसा मैं चाहती थी। हालांकि मैंने कोशिश पूरी की थी। मैंने अभ्यास में इस पर काम करना जारी रखा और कोच जो कह रहे थे, उन पर भरोसा किया। आज अहम मौके पर चीजें बेहतर हुईं और मैं बहुत खुश हूं कि जब टीम को मेरी जरूरत थी, तब मैं योगदान दे पाई।'' लगातार अच्छे नतीजों से टीम में बढ़ रहे आत्मविश्वास के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि लगातार मैच जीतने से निश्चित रूप से आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन इससे भी जरूरी बात यह है कि यह दिखाता है कि हम एक ग्रुप के तौर पर सीख रहे हैं। मैच के अलग-अलग फेज में जब हम पर दबाव था, तब भी हम शांत रहे और अपने पर भरोसा रखा। यही वह चीज है जिसे हम आगे ले जाना चाहते हैं। दिल्ली कैपिटल्स अब मंगलवार को अपने अगले मैच में गुजरात जायंट्स का सामना करेगी।

व्यापार

सर्राफा बाजार में 1.60 लाख के पार पहुंचा सोना, चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना एक बार फिर नई ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है। सोना आज 2,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की कीमत में आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में इस चमकीली धातु की कीमत 1.60 लाख रुपये के स्तर से ऊपर पहुंच गई है। सोना के विपरीत चांदी आज के कारोबार में 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम लुढ़क गया है। सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,60,260 रुपये से लेकर 1,60,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,900 रुपये से लेकर 1,47,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसके विपरीत चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें, तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में बंपर तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 16,480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 15,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव 4,967.41 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। चांदी के भाव में भी आज की गिरावट के बावजूद पूरे सप्ताह की कारोबार में 40 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 100 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंचने के बाद ये चमकीली धातु फिलहाल 99.46 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,60,410 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,47,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,60,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,60,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,60,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,60,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,47,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,60,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जोरदार तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,60,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

टॉप 10 में शामिल 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.51 लाख करोड़ की गिरावट, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के दौरान वैश्विक दबाव के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में 2.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में से सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 2,51,711.60 करोड़ रुपये की कमी हो गई। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 12,311.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 19 से 23 जनवरी 2026 के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 96,960.17 करोड़ रुपये फिसल कर 18,75,533.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 48,644.99 करोड़ रुपये लुढ़क कर 9,60,825.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 22,923.02 करोड़ रुपये घट कर 14,09,611.89 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 17,533.97 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 11,32,010.46 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 16,588.93 करोड़ रुपये घट कर 11,43,623.19 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 15,248.32 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,15,161.91 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,093.93 करोड़ रुपये कम होकर 5,77,353.23 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,907.50 करोड़ रुपये फिसल कर 9,50,199.77 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 7,810.77 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 6,94,078.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, पूरे सप्ताह शेयर बाजार की कमजोरी और वैश्विक दबाव के बावजूद हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर अपनी मजबूती बनाए रखने में सफल रहे। इस सप्ताह के कारोबार के बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 12,311.86 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 5,66,733.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस सप्ताह तिमाही नतीजे, फेड निर्णय और बजट से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। इस सप्ताह में कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर पर फैसले और आगामी आम बजट 2026-27 से शेयर बाजार का रुख तय होगा। गणतंत्र दिवस के कारण सोमवार को शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधि, रुपया-डॉलर का रुख और वैश्विक व्यापार से संबंधित घटनाक्रम भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। बजट पेश होने के दिन रविवार है, लेकिन इस दिन शेयर बाजार एनएसई और बीएसई खुले रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक कारकों से भरा हुआ है। घरेलू मोर्चे पर बाजार औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों, आम बजट से जुड़े राजकोषीय संकेतकों और साप्ताहिक विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर रखेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी नजर रहेगी, जिसमें एक्सिस बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, आईटीसी, एनटीपीसी और बजाज ऑटो जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। वैश्विक स्तर पर ध्यान अमेरिका के प्रमुख व्यापक आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे घटनाक्रमों पर रहेगा। बाजार के जानकारों के मुताबिक एफपीआई ने 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में अपनी बिकवाली न केवल जारी रखी, बल्कि इसकी तीव्रता भी बढ़ा दी। रुपये के निरंतर अवमूल्यन, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता और अब तक के सामान्य तिमाही नतीजों के कारण बाजार की धारणा बहुत कमजोर रही है। निवेशक वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान और कच्चे तेल की चाल पर भी नजर रखेंगे। सोमवार की छुट्टी के बाद मंगलवार से कारोबार शुरू होगा, जिसे 27 जनवरी को होने वाले भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से सकारात्मक बढ़त मिल सकती है। हालांकि, ईरान और ग्रीनलैंड से जुड़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

शीर्ष नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.51 लाख करोड़ घटा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख के कारण बीते सप्ताह प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार मूल्यांकन 2.51 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई और मंदड़िए पूरी तरह हावी रहे। कमजोर वैश्विक संकेतों, निरंतर एफआईआई की निकासी, रुपये के गिरते मूल्य और सामान्य कॉरपोरेट नतीजों ने पूरे सप्ताह दबाव बनाए रखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सहित शीर्ष 10 में नौ सबसे मूल्यवान कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 2,51,711.6 करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 96,960.17 करोड़ रुपये घटकर 18,75,533.04 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 48,644.99 करोड़ रुपये घटकर 9,60,825.29 करोड़ रुपये था। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,311.86 करोड़ रुपये बढ़कर 5,66,733.16 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और लार्सन एंड टुब्रो का स्थान रहा।

जीमेल, एफबी और नेटफ्लिक्स समेत कई प्लेटफॉर्म के 15 करोड़ पासवर्ड लीक, ऐसे बचाएं अपना अकाउंट

नई दिल्ली। अगर आप जीमेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम या नेटफ्लिक्स जैसी सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दुनिया में अब तक की बड़ी सेंधमारी सामने आई है, जिसमें करीब 14.9 करोड़ (149 मिलियन) यूनिक आईडी और पासवर्ड लीक हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि करोड़ों यूजर्स का यह निजी डेटा इंटरनेट पर बिना किसी पासवर्ड या सुरक्षा के खुलेआम उपलब्ध था। वायर्ड (ङ्खद्बक्रश्वष्ठ) की रिपोर्ट के मुताबिक, जाने-माने सिक्योरिटी एनालिस्ट जेरेमिया फाउलर ने इस विशाल डेटाबेस का पता लगाया है, जिसमें दुनिया के लगभग हर बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ा डेटा शामिल है। जीमेल से लेकर नेटफ्लिक्स तक, सब पर खतरा फाउलर की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। लीक हुए डेटा में सबसे बड़ी संख्या ईमेल अकाउंट्स की है। रिपोर्ट के अनुसार करीब 4.8 करोड़ जीमेल अकाउंट्स, 40 लाख याहू अकाउंट्स और 15 लाख आउटलुक अकाउंट्स का डेटा खतरे में है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है, जहां फेसबुक के 1.7 करोड़, इंस्टाग्राम के 65 लाख और टिकटॉक के करीब 7.8 लाख अकाउंट्स की जानकारी लीक हुई है। मनोरंजन जगत के ऐप्स भी इससे अछूते नहीं हैं; नेटफ्लिक्स के 34 लाख अकाउंट्स के लॉगइन-पासवर्ड के साथ-साथ डिज्नी प्लस, एचबीओ मैक्स और रोब्लॉक्स (क्रशड्ढद्यशङ्ग) जैसे प्लेटफॉर्म्स का डेटा भी शामिल है। इसके अलावा 4.2 लाख वित्तीय और सरकारी अकाउंट्स की लॉगइन डिटेल्स भी इस लीक का हिस्सा हैं। खतरनाक मैलवेयर ने की है ये बड़ी चोरी इस भारी-भरकम डेटा लीक के पीछे 'इन्फोस्टेलर (द्बठ्ठद्घशस्ह्लद्गड्डद्यद्गह्म्) नाम का एक मैलवेयर बताया जा रहा है।

दीपक तिजोरी की बेटी समारा फुटबॉलर से बनी ग्लैमरस हीरोइन, अब फिल्म दलदल से करेगी लोगों की सिट्टी पिट्टी गुम

बॉलीवुड एक्टर दीपक तिजोरी की बेटी समारा तिजोरी इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। भले ही उनका नाम अभी तक बड़े स्तर पर स्टार किड्स की लिस्ट में शामिल न हुआ हो, लेकिन अपने काम और मेहनत के दम पर वह धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। समारा जल्द ही भूमि पेडनेकर स्टारर वेब सीरीज़ दलदल में नजर आने वाली हैं, जो 30 जनवरी से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज़ में समारा एक अहम भूमिका निभा रही हैं, जिसे लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि कई लोग इसे समारा तिजोरी का बड़ा ब्रेक मान रहे हैं, लेकिन यह उनका एक्टिंग डेब्यू नहीं है। समारा पिछले चार सालों से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का हिस्सा हैं और लगातार अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के जरिए खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं। अब दलदल के जरिए उन्हें एक बार फिर खुद को साबित करने का मौका मिला है और फैंस को उम्मीद है कि यह शो उनके करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। समारा तिजोरी ने साल 2021 में फिल्मों में कदम रखा था। उन्होंने अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म बॉब बिस्वास में जूनियर बच्चन की बेटी मिनी बिस्वास का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनका रोल छोटा था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय से ध्यान जरूर खींचा। इसके बाद साल 2022 में वह साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज मासूम में नजर आईं। हालांकि इस शो से उन्हें वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसकी उन्हें उम्मीद थी। अब समारा भूमि पेडनेकर के साथ दलदल में दिखाई देंगी, जहां वह एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों और दर्शकों को लग रहा है कि इस बार समारा को अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का पूरा मौका मिलेगा। समारा

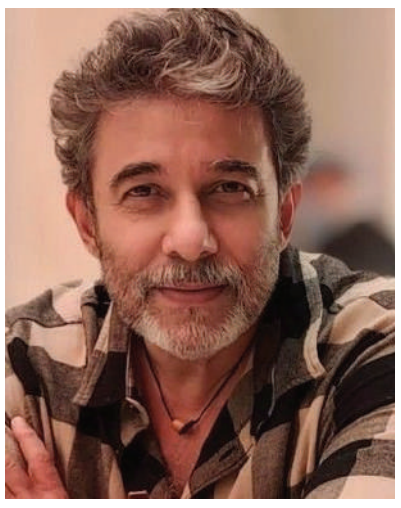

तिजोरी ने अभिनय को गंभीरता से लिया है और इसके लिए उन्होंने प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी ली है। उन्होंने जेफ गोल्डबर्ग एक्टिंग स्टूडियो से एक्टिंग की ट्रेनिंग हासिल की है। इसके अलावा वह एक ट्रेंड डांसर भी हैं। समारा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल से की थी। 16 साल की उम्र में वह राजस्थान चली गईं, जहां उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के साथ-साथ समारा खेलों में भी काफी एक्टिव रही हैं। वह नेशनल लेवल की सॉकर प्लेयर रह चुकी हैं, जो उनकी मेहनत और डिसिप्लिन को दर्शाता है। इसके अलावा उन्होंने मुंबई के एक कॉलेज से साइकोलॉजी में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री भी हासिल की है। असल जिंदगी में समारा काफी स्टाइलिश हैं, जिसका श्रेय उनकी मां शिवानी तिजोरी को भी जाता है, जो पेशे से एक फैशन डिजाइनर हैं। समारा की जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया, जब उन्हें एक बेहद डरावने अनुभव से गुजरना पड़ा। 13 साल की उम्र में समारा का अपहरण हो गया था। ओशिवारा पुलिस के मुताबिक, समारा अपनी एक दोस्त के साथ शॉपिंग करने गई थीं। वापस लौटते समय एक ऑटो ड्राइवर ने उन्हें रोका और जबरदस्ती अपनी रिक्शा में बैठाकर ले गया। इस घटना से समारा की दोस्त घबरा गई और उसने तुरंत उनके पिता दीपक तिजोरी को इसकी जानकारी दी। दीपक तिजोरी ने बिना देरी किए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सौभाग्य से कुछ घंटों बाद समारा सुरक्षित अपने घर लौट आईं। यह घटना उनके परिवार के लिए बेहद डरावनी और भावनात्मक रही। वेब सीरीज दलदल विश्व धामीजा की किताब भिंडी बाजार पर आधारित है। इस सीरीज का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है। शो में समारा तिजोरी एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी में अहम मोड़ लेकर आती है। ट्रेलर से साफ है कि उनका किरदार मजबूत और प्रभावशाली है। अब देखना दिलचस्प होगा कि 30 जनवरी को रिलीज होने के बाद दलदल दर्शकों पर क्या असर डालती है और क्या यह शो समारा तिजोरी के करियर को नई उड़ान देने में कामयाब होता है या नहीं।

धुरंधर की रिलीज के 50 दिन पूरे, जल्द आ रहा धुरंधर 2 का टीजर, डायरेक्टर आदित्य धर ने किया कंफर्म

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर ने तीन घंटे 34 मिनट की अवधि के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. इस जासूसी एक्शन थ्रिलर ने न केवल सिनेमाघरों में जबरदस्त कमाई की, बल्कि इसके सीक्वल के लिए लोगों में जबरदस्त उत्सुकता भी जगा दी. अब, फिल्म निर्माता आदित्य धर ने आखिरकार धुरंधर 2 के टीजर पर बड़ा अपडेट दिया है. यह अपडेट उस वक्त में आया है, जब धुरंधर ने अपनी रिलीज के 50 दिन पूरे कर लिए हैं. पहली फिल्म के अंत में कहानी के आगे बढ़ने के संकेत देने वाले दृश्य दिखाए गए थे, लेकिन फिल्म निर्माताओं ने अभी तक सीक्वल के लिए कोई तस्वीरें जारी नहीं की है. दूसरे भाग का ऑफिशियल टाइटल भी अभी तक घोषित नहीं किया गया है, हालांकि इसे धुरंधर 2 या धुरंधर: द रिवेंज के नाम से जाना जा रहा है. कई फैंस को पहले उम्मीद थी कि धुरंधर 2 का टीजर बॉर्डर 2 की सिनेमाघरों में रिलीज के साथ दिखाया जाएगा. हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, जिससे दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई. तब से आदित्य धर को सोशल मीडिया पर टीजर की रिलीज को लेकर सवाल मिल रहे हैं. फिल्म निर्माता ने आखिरकार इस चर्चा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. आदित्य धर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फैन-मेड मीम को रीशेयर किया, जिसमें लिखा था, आदित्यधरफिल्म्स मजाक नहीं टीजर जल्दी! इस पर प्रतिक्रिया देते हुए धर ने लिखा, टीजर कुछ दिनों में रिलीज होगा! फिल्म इंडस्ट्री में चल रही अफवाहों के मुताबिक, धुरंधर 2 का टीजर गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2026 को जारी किया जा सकता है. हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. धुरंधर फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकिरत सिंह रंगी नाम के एक गुप्त एजेंट के रूप में शानदार अभिनय किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा. उन्होंने हमजा अली मजारी नाम के एक अन्य सरगना का रूप धारण करके पाकिस्तान के आपराधिक गैंग में घुसपैठ की. पूरी फिल्म में वह सभी बड़े खलनायकों से बचते रहे, लेकिन उनका मिशन अधूरा ही रहा. सीक्वल में उनके बड़े साहब को खत्म करने की उम्मीद है. अक्षय खन्ना, जिन्होंने रहमान दकैत के किरदार से खूब वाहवाही बटोरी, खबरों के मुताबिक दूसरे भाग में सिर्फ फ्लैशबैक दृश्यों में ही नजर आएंगे. वहीं, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन अपने-अपने किरदारों को दोहराएंगे. खबरों के अनुसार, विक्की कौशल भी कास्ट में शामिल हो सकते हैं और संभवत: उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक से मेजर विहान सिंह शेरगिल के रूप में वापसी कर सकते हैं. जहां प्रशंसक धुरंधर 2 का इंतजार कर रहे हैं, जो 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, वहीं इसका पहला भाग दो महीने के सफल थिएटर प्रदर्शन के बाद 30 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर आने वाला है.

महाभारत के बाद हिस्ट्रीवर्स ने 7 एआई फिल्मों का किया ऐलान, नाम से उठाया पर्दा

जियोहॉटस्टार पर पहली बार एआई निर्मित सीरीज महाभारत लाने वाले कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क ने अपने हिस्ट्रीवर्स के लिए आगामी परियोजनाओं का ऐलान कर दिया है। निर्माताओं द्वारा भारतीय पौराणिक कथाओं और इतिहास से प्रेरित 7 परियोजनाओं का अनावरण किया गया है जिसमें मां काली, हनुमान, शिव दुर्गा, कृष्ण और शिवाजी जैसे महान व्यक्तित्वों को दर्शाए गया है। हालांकि, हिस्ट्रीवर्स एआई -जनरेटेड फीचर फिल्म चिरंजीवी

हनुमान- द इटरनल का ऐलान टीजर के साथ पहले ही कर चुका है जो 2026 में आएगी। कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के संस्थापक और ग्रुप सीईओ विजय सुब्रमण्यम ने हिस्ट्रीवर्स की इन 7 परियोजनाओं का ऐलान किया है जिनमें से 4 फिल्में इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। 2026 में रिलीज होने वाली ये चारों फिल्में शिव सती, स्वाराज्यगाथा, कृष्णा: सर्वं एकं तत्त्वम्, चिरंजीवी हनुमान- द इटरनल हैं जिनकी पहली झलक सामने आ चुकी है। जबकि अन्य एआई -जनरेटेड परियोजनाओं में शामिल श्री स्वामी समर्थ, महिषासुरमर्दिनी और काली की रिलीज तारीख आना बाकी है।

एआर रहमान की धुन पर थिरकेंगी मृणाल ठाकुर, पेड्डी में साल का सबसे बड़ा डांस नंबर

सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म पेड्डी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है और ये जुड़ा है सीता रामम स्टार मृणाल ठाकुर से। चर्चा है कि फिल्म के एक खास और बेहद धमाकेदार गाने के लिए निर्माताओं ने मृणाल से संपर्क किया है। इससे भी रोमांचक बात ये है कि मृणाल को इस गाने के जरिए ऑस्कर विजेता और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान की धुन पर थिरकने का एक सुनहरा मौका मिलने जा रहा है। ओटीटी प्ले को फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फिल्म के स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल से संपर्क किया गया है। मृणाल और राम चरण का पहली बार साथ आना न केवल फिल्म को प्रभावशाली बनाएगा, बल्कि ये दर्शकों के लिए एक बड़ा सरप्राइज भी साबित होगा। राम चरण के जबरदस्त डांस, मृणाल की अदाओं का कमाल और एआर रहमान के संगीत एक साथ मिलकर बड़े पर्दे पर इस गाने को बेहद यादगार बना देगा। पेड्डी में पहली बार राम चरण और जाह्नवी कपूर साथ नजर आएंगे। दोनों की जोड़ी और केमिस्ट्री देखने का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर के साथ देवरा के बाद जाह्नवी के लिए ये साउथ का दूसरा सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। अब फिल्म से मृणाल भी जुड़ गई हैं तो इसे लेकर दर्शकों का उत्साह दोगुना हो गया है। बताया जा

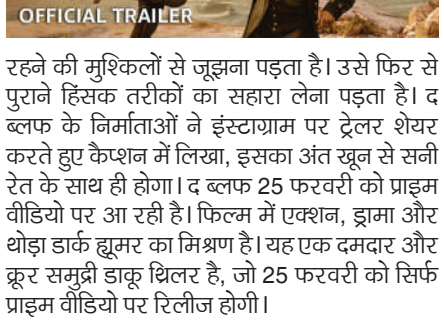

रहा है कि ये इस साल का सबसे बड़ा डांस नंबर होगा। बुच्ची बाबू सना के निर्देशन में बन रही पेड्डी की लगभग 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। निर्माताओं ने इसके लिए 27 मार्च, 2026 की तारीख तय की थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से फिल्म के टलने की खबरें सामने आ रही हैं। चर्चा है कि अगर पेड्डी इस तारीख से पीछे हटती है तो उस खाली जगह को भरने के लिए पवन कल्याण की उस्ताद भगत सिंह सबसे आगे है। बहरहाल, पेड्डी की रिलीज पर सस्पेंस बरकरार है।

प्रियंका चोपड़ा की द ब्लफ का ट्रेलर जारी, परिवार के खातिर समुद्र डाकू बनीं अभिनेत्री

प्रियंका चोपड़ा जोनस की नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म द ब्लफ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में प्रियंका, कार्ल अर्बन के साथ जबरदस्त एक्शन करती नजर आईं। ट्रेलर में पहली बार उनके किरदार एर्सेल ब्लडी मैरी बॉडेन की झलक दिखाई गई है। द ब्लफ के ट्रेलर में प्रियंका एक खूंखार महिला समुद्री डाकू (पाइरेट क्वीन) के रूप में नजर आ रही हैं। उनके शरीर पर जख्म के निशान हैं, खून से सनी लड़ाइयां हैं, और बहुत शानदार एक्शन सीन हैं। वो समुद्र में हिंसक झड़पों में हिस्सा लेती हैं और आमने-सामने की लड़ाई करती हैं। प्रियंका का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। द ब्लफ की कहानी पुरानी पाइरेट फिल्मों से अलग है। इसमें जिंदगी बचाने की जंग, सत्ता की लड़ाई और बहुत तगड़ा संघर्ष दिखाया गया है। एर्सेल अपना नया जीवन बचाने की कोशिश करती है, लेकिन उसका पुराना अतीत वापस आ जाता है। पुराना दल लौट आता है, तो उसे वफादारी और जिंदा

रहने की मुश्किलों से जूझना पड़ता है। उसे फिर से पुराने हिंसक तरीकों का सहारा लेना पड़ता है। द ब्लफ के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इसका अंत खून से सनी रेत के साथ ही होगा। द ब्लफ 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आ रही है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और थोड़ा डार्क ह्यूमर का मिश्रण है। यह एक दमदार और क्रूर समुद्री डाकू थ्रिलर है, जो 25 फरवरी को सिर्फ प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

डबल देशभक्तिः बॉर्डर 2 की रिलीज के कुछ घंटे बाद सलमान खान की बैटल ऑफ गलवान के गाने मातृभूमि का टीजर आउट

सलमान खान स्टारर फिल्म बैटल ऑफ गलवान साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक हैं. फिल्म आगामी अप्रैल महीने में रिलीज होने के लिए तैयार है. इससे पहले फिल्म का ट्रेलर आना बाकी है, जिसका सलमान खान के फैंस को इंतजार है. वहीं, वॉर बेस्ड देशभक्ति फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हो चुकी है. इस बीच आज सलमान खान ने भी अपनी देशभक्ति और वॉर बेस्ड फिल्म बैटल ऑफ गलवान से देशभक्ति से लबरेज गाना मातृभूमि का टीजर रिलीज कर दिया है. गाने का टीजर उस वक्त में रिलीज किया गया है, जब लोग बॉर्डर 2 को देखकर उसपर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं. सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान के नए गाने के टीजर की बात करें तो इसमें देशभक्ति का पूरा नजारा देखने को मिल रहा है. ट्यून बिल्कुल देशभक्ति वाली वाइब्स दे रही है. सलमान खान फौजी की वर्दी में दिख रहे हैं. गाना कल यानी 24 जनवरी को रिलीज होगा और इसे अरिजीत सिंह, मास्टरमानी धर्मकोट और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है. हिमेश रेशमिया ने इस गाने को म्यूजिक दिया है. इस गाने के बोल समीर अंजान ने लिखे हैं. अब सलमान खान के फैंस को इस देशभक्ति गाने का इंतजार है, जो कि कल रिलीज होने जा रहा है. सलमान खान और चित्रांगदा सिंह स्टारर देशभक्ति फिल्म बैटल ऑफ गलवान आगामी 17 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है. फिल्म का निर्देशन अपूर्व लखिया ने डायरेक्ट किया है, जो 2020 में भारत-चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर बेस्ड है. बैटल ऑफ गलवान फिल्म में सलमान खान, गलवान घाटी झड़प के शहीद हुए भारतीय सेना के अधिकारी कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उनकी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण आर्मी रोल है, जिसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले एक सैनिक के रूप में दिखेंगे. फिल्म का निर्देशन अपूर्व लखिया ने किया है और फिल्म में सलमान खान की हीरोइन चित्रागंदा सिंह होंगी.

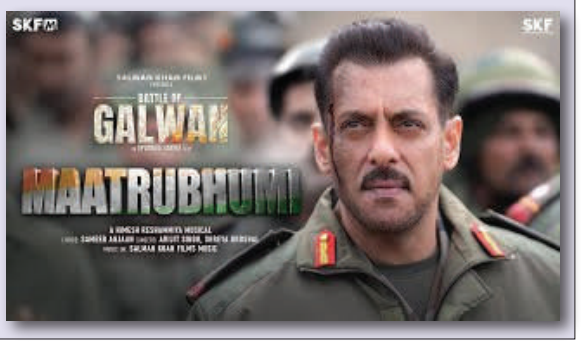

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' करियर का सबसे बड़ा शोः हिना खान

हाल ही में छोटे परदे की अभिनेत्री हिना खान ने अपनी कमाई को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। हिना खान हाल ही में एक पॉडकास्ट में नजर आईं, जहां उनसे सवाल किया गया कि राजन शाही और एकता कपूर इन दोनों बड़े प्रोड्यूसर्स में से किसके शो से उन्हें सबसे ज्यादा कमाई हुई। इस सवाल पर हिना ने बिना किसी हिचकिचाहट के साफ और ईमानदार जवाब दिया। हिना खान ने कहा कि 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' उनके करियर का सबसे बड़ा शो रहा है, हर मायने में। उन्होंने बताया कि इस शो से उन्हें न सिर्फ नाम और पहचान मिली, बल्कि आर्थिक रूप से भी यही शो उनके लिए सबसे फायदेमंद साबित हुआ। हिना के मुताबिक, वह करीब आठ साल तक लगातार इस शो का हिस्सा रहीं और आज उनके पास जो कुछ भी है, चाहे वह सफलता हो या संपत्ति, उसका बड़ा श्रेय इसी शो को जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके बाद उन्होंने कई और शोज किए, लेकिन जो स्थिरता, सफलता और कमाई 'ये रिश्ता' से मिली, वैसी कहीं और नहीं मिल पाई। हिना की इस ईमानदार स्वीकारोक्ति को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनकी सादगी और साफगोई की तारीफ कर रहे हैं। फैंस का मानना है कि टीवी पर लंबे समय तक लगातार काम करना कलाकारों को न सिर्फ लोकप्रियता देता है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है, और हिना इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। हिना खान हमेशा अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और अपने जीवन से जुड़े अपडेट्स शेयर करती रहती हैं, यही वजह है कि फैंस हर मुश्किल दौर में उनके साथ खड़े नजर आते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हिना खान 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अलावा 'फियर फैक्टर', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'बिग बॉस 11' जैसे रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम कर अपनी अभिनय क्षमता साबित की है। आज हिना खान टीवी इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने मेहनत और लगन के दम पर लंबा और सफल सफर तय किया है। गौरतलब है कि हिना ने राजन शाही के 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से अपने करियर को उड़ान दी थी, जबकि एकता कपूर के साथ वह 'नागिन' और 'कसौटी जिंदगी की' जैसे हिट शोज में नजर आई थीं।

भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
26 JANUARY
गणतंत्र
दिवस
की आप सभी को हार्दिक
शुभकामनाएँ
सुरेश कुमार
प्रभारी प्रधानाध्यापक राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय रमपुरवा
अरविंद कुमार
प्रभारी प्रधानाध्यापक उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सेंभुआपुर,
डॉ. अतुल कुमार
कन्सल्टेंट फिजिशियन के. एम. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,बेलबनवा, मोतिहारी (गायत्री मंदिर के सामने)
शंभू कुमार
विशाल कुमार गुप्ता
लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास प्रखण्ड अध्यक्ष पताही पूर्वी चंपारण
ई शशिभूषण सिंह
पूर्व राजद विधायक सुगौली
अजय कुमार चौधरी
इंस्पेक्टर आरपीएफ रक्सौल
मनीष आनंद
डीएसपी, रक्सौल
शत्रुध्न प्रसाद
प्रभारी प्रधानाध्यापक राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय धनगढ़हा
अनिल कुमार गुप्ता
पलनावा थानाध्यक्ष
अरशद अली
उर्फ मुन्ना भाई राज
प्रत्याशी क्षेत्र संख्या 4 रामगढ़वा।
राजीव कुमार साह
रामगढ़वा थानाध्यक्ष
मुखिया पुत्र बब्लू साह
पंचायत राज मुरला
किशन कुमार पासवान
हरैया थानाध्यक्ष, रक्सौल
श्रीमती जानकी देवी
मुखिया पंचायत मुडला
शमशूल जोहा अंसारी
मुखिया पति- चम्पापुर
जायदा खातून,मुखिया - चम्पापुर, रामगढ़वा
सोनू कुमार
थाना प्रभारी, आबकारी थाना, रक्सौल
विजय कुमार
प्रदेश उपाध्यक्ष- किसान सलाहकार संघ पटना (बिहार) सह- जिलाध्यक्ष पूर्वी चंपारण
भूषण कुमार पटेल
भावी मुखिया प्रत्याशी सह पंचायत समिति पुत्रशिवनगर, रामगढ़वा
शेखर राज
अंचलाधिकारी रक्सौल
बिमल शर्राफ
अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी लायंस क्लब- रक्सौल
डॉ० प्रहस्त कुमार
नोडल पदाधिकारी, पीएचसी - रामगढ़वा
टेंगर ठाकुर
पंचायत समिति, मंगलपुर पटनी पंचायत
डॉ. सुधांशु रंजन
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी,अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिहुली
भूषण सिंह
सामाजिक कार्यकर्ता, रामगढ़वा
रितेश कुमार
सरपंच ग्राम कचहरी जिहुली
नीरज कुशवाहा
समाजसेवी-ग्राम पंचायत राज, कदमवा, घोड़ासहन
राजा कुमार
अंचलाधिकारी रामगढ़वा
मो. ईर्शादुल्लाह
राजा ऑटोमोबाइल, हीरो शो रूम, सुगौली
शिवचंद्र यादव
मुखिया पंचायत राज शिवनगर
मो. ईर्शादुल्लाह
राजा ऑटोमोबाइल, हीरो शो रूम, सुगौली
रंजन कुमार
आपूर्ति पदाधिकारी रामगढ़वा
रामविनय यादव
भावी मुखिया प्रत्याशीग्राम पंचायत राज पूर्णहिया घोड़ासहन।
सुरेन्द्र कुमार
राजस्व कर्मचारी, प्रखण्ड- तुरकौलिया
पंकज कुमार
राजस्व कर्मचारी,प्रखण्ड- तुरकौलिया
मनोज जयसवाल
श्रीमती पुनम जयसवाल
विशुनपुर पंचायत, घोड़ासहन
मधुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव
प्रधानाध्यापक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सतपिपरा, रामगढ़वा
श्याम सुन्दर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह
(जिला परिषद)
सुनील टाइगर
मुखिया ग्राम- पंचायत राज तुरकौलिया मध्य,प्रखण्ड, तुरकौलिया
विनय कुमार पाण्डेय
(पैक्स अध्यक्ष पताही पश्चिमी)
सुनिल कुमार
(मुखिया, पताही सह भाजपा जिला महामंत्री ढाका)
राकेश कुमार सिंह
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रामगढ़वा
इंद्रजीत कुमार दास
पंचायती राज पदाधिकारी रामगढ़वा
उदय जयसवाल
समाजसेवी-ग्राम पंचायत राज - श्रीपुर, घोड़ासहन
अभिमन्यु चंद्रवंशी
(शिक्षक, पताही)
संतोष ठाकुर
(शिक्षक, पताही)
रेखा कुमारी
सीडीपीओ-तुरकौलिया
कन्हैया कुमार
जेईई-मनरेगाप्रखण्ड-तुरकौलिया
ब्रेजेश त्रिपाठी
मनरेगा पीओ, पताही